ISSN 2349-6614

अप्रैल 2019 मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

जनता का फैसला 23 मई को

डॉ. पॉल को कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण प्रदान करते अरविंद सिंह मेवाड़, डॉ. कस्तूरी रंगन एवं लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 2 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

With Best Compliments

Jai Shanker Rai
Director

Ganpati
Infravision Pvt. Ltd.

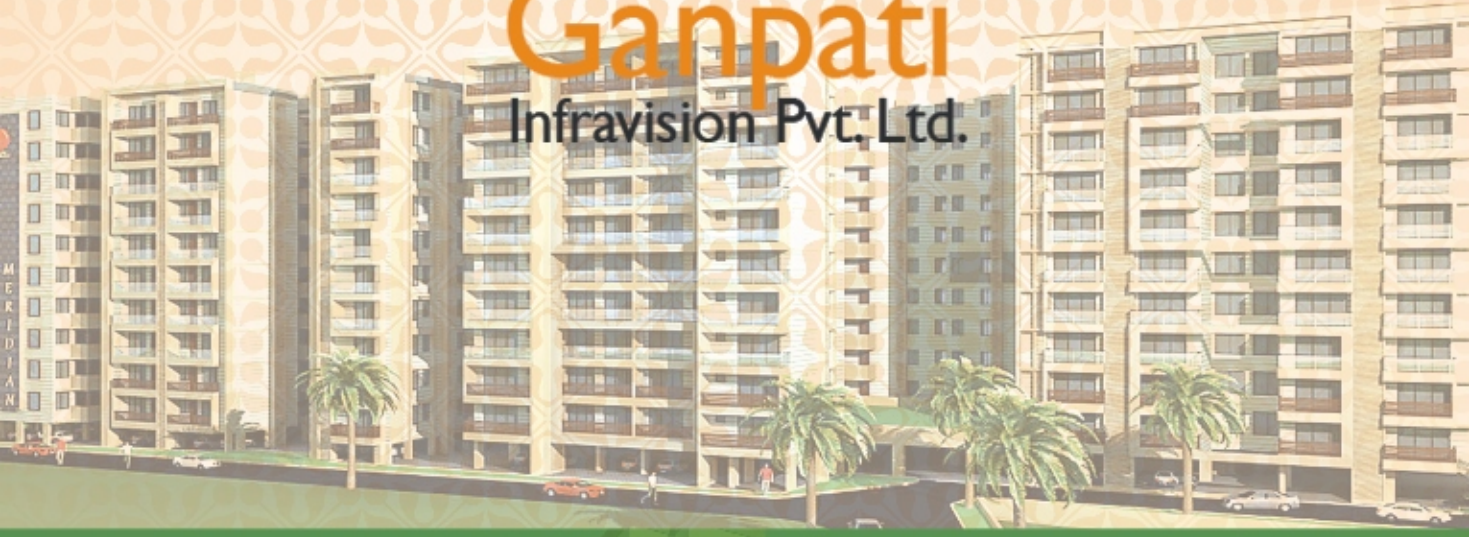

प्रधान मंत्री
आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-2015

RERA APPROVED
REG. NO.: RAJ/P/2018/850

GANPATI GREENS

SHREE GANPATI AFFORDABLE HOMES LLP

AFFORDABLE HOUSING AT UDAIPUR

www.ganpatihousing.com

203, 2nd Floor, Doctor's House Complex,
Post & Telegraph street, Madhuban, Udaipur (Rajasthan)
Tel/Fax: 0294-2429118, E-mail: gipl.udaipur@rediffmail.com

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अप्रैल
2019
वर्ष 17, अंक 2

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू.
वार्षिक 600 रू.

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग देलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राव
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने है, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अन्दर के पृष्ठों पर...

07 लोकतंत्र का महापर्व
सात चरण तय करेंगे 'सरताज'

12 साधना के शिखर
महावीर और उनके पंचशील सिद्धांत

19 शक्ति पूजा
वासंती नवरात्रा में दुर्गा उपासना

26 समर्पण
महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन अलंकरण समारोह

35 प्रतिस्पर्द्धा
5 जी पिच पर फोल्डेबल फोन की जंग

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

With Best Copmpliments

SML ISUZU

Comfrot + Economy + Safety = Reliabilty

OM MOTORS

SML School Bus

S7 School Bus

Loading Ka Baadshah...

Authorised Dealer :

SML ISUZU SALES, SERVICE & SPARES

N.H. 8, Pratap Nagar, Near Apni Dhani, Udaipur-313003 (Raj.)

Mob. : +91 8741970005, 8741970006, email : ommotorsudr@gmail.com

Location : Dungarpur, Banswara, Rajsamand
Abu Road, Pratapgarh, Chittorgarh.

सत्ता समर का बजा बिगुल

देश में आम चुनाव का बिगुल बज चुका है। लोकसभा की 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव कराए जाएंगे। पहला चरण 11 अप्रैल से आरंभ होगा और 19 मई को अन्तिम चरण पूर्ण होगा। मतगणना 23 मई को होगी और उसी दिन नतीजे भी मिल जाएंगे। तीन जून के पहले सत्रहवीं लोकसभा का गठन हो जाएगा।

चुनाव लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। यह ऐसी प्रक्रिया है जिसकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। चुनाव मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए, सरकार के गलत फैसलों की विपक्ष को जमकर आलोचना का पूरा हक़ है लेकिन ऐसा करते वक्त भाषा की मर्यादा नहीं लांघी जानी चाहिए। पिछले चुनाव और इस बार भी हम देख रहे हैं कि सत्ता पक्ष भी भाषा की गरिमा और मर्यादा से भटका हुआ है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही के नेता क्या बोल रहे हैं, इसका ख़ुद उन्हें भान नहीं है। राजनीति का स्तर इतना छिछला, गन्दा और नीचे चला जाएगा, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। अब भी समय है जब हम विश्व के सामने एक मजबूत लोकतंत्र के साथ-साथ गरिमापूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनाव प्रचार की मिसाल भी पेश कर सकें।

एनडीए पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक और विंग कमाण्डर अभिनंदन की शीघ्र और सुरक्षित रिहाई का फायदा उठाने को तत्पर दिख रहा है, क्योंकि पहले तीन चरणों में आधे से अधिक यानी 303 सीटों पर मतदान हो जाएगा। दूसरी ओर एनडीए के खिलाफ विपक्ष ने भी राफेल खरीद सहित अलग-अलग ही सही पर गठबंधन कर एनडीए के सामने मजबूत चुनौती पेश की है। एनडीए सरकार के खिलाफ कांग्रेस सहित विपक्ष के पास कई ऐसे मुद्दे हैं जो निश्चित रूप से उसे परेशान करने वाले हैं। सत्ता पक्ष को 2014 की खुमारी से बाहर निकलना होगा। लेकिन मतदाता क्या सोच रहा है और वह क्या फैसला देगा इसकी थाह किसी भी चुनाव में कोई भी एजेन्सी ठीक-ठीक नहीं पा सकी है। अनेक सर्वे एजेन्सियों, राजनैतिक पण्डितों और अपने आपको बड़े मीडिया हाउस से सम्बद्ध बताने वाले समीक्षकों की भविष्यवाणियों को देश औंधे मुंह गिरते देख भी चुका है।

चुनावों में महिला मतदाताओं की हिस्सेदारी में लगातार बढ़ोतरी और पुरूषों के मुकाबले वोट डालने का अन्तर घटने के बावजूद निर्वाचित सदनों में उनका प्रतिनिधित्व बेहद थोड़ा है। पूर्व के दो राज्यों - पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सत्ताधारी पार्टियों ने उम्मीदवारी में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जो महत्वपूर्ण कदम उठाया है, वह स्वागत योग्य है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का बिल भले ही राजनैतिक पार्टियों की अड़ंगेबाजी से वर्षों से संसद में अटका हुआ है, बावजूद इसके पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस व ओडिशा में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल ने लोकसभा चुनाव में क्रमशः 41 व 33 फीसद सीटों पर महिला उम्मीदवार खड़ा करने की जो पहल की है, राजनीति में उसके दूरगामी परिणाम होंगे। दरअसल, महिलाओं का वोट देश में बड़ा वोट बैंक नहीं बन पाया। लेकिन बंगाल और ओडिशा समेत पूर्व एवं पूर्वोत्तर में महिला नेतृत्व को लेकर लोगों में एक विशेष आग्रह हमेशा रहा है। यदि आजादी के 70 साल बाद भी देश की आधी आबादी के लिए सार्वजनिक जीवन में पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकी है तो यह व्यवस्था की नीतिगत नाकामी और सामाजिक विकास के अधूरेपन का ही द्योतक है।

चुनाव आयोग से भी हम यह कहना चाहेंगे कि आचार संहिता का पूरी कठोरता के साथ पालन करवाया जाए। मतदाताओं को प्रभावित और लुभाने का खेल बहुत हो चुका, अब इसे हर स्तर पर रोका जाना चाहिए। चुनाव आचार संहिता का निर्धारण और उसे लागू करने का मतलब ही यह है कि चुनाव मैदान में उतरने वाला हर प्रत्याशी और उसकी पार्टी पूरे अनुशासन के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व की गरिमा को बनाए रखे। हालांकि चुनाव आयोग ने एकदम साफ-सुथरे, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने का वादा किया है, हमें उसके वादे पर पूरा ऐतबार भी है। उम्मीदवारों और राजनैतिक पार्टियों को भी इस मामले में आयोग को पूर्ण सहयोग देना होगा। आचार संहिता पर अमल करवाना राज्य सरकारों, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का काम होता है किन्तु पूर्व में प्रायः ऐसे कई मामले निगाह में आए, जिनमें राज्य निर्वाचन आयोग अथवा जिला निर्वाचन एजेन्सियों ने चुनाव और चुनावी प्रक्रिया को धक्का पहुंचाने की कोशिशों को दरगुज़र भी किया। इन सबसे बढ़कर जिम्मेदारी तो मतदाताओं की है।

लोकतांत्रिक प्रणाली वाले हमारे देश में चुनाव देश के भाग्य और भविष्य की दिशा को तय करते हैं। जनता का योगक्षेम भी इन्हीं पर निर्भर है, अतएव बहुत सोच-समझकर अपने प्रतिनिधि का चुनाव करना है। किसी भी प्रलोभन और गलत तरीके का शिकार न होकर यदि कोई ऐसा करता भी है तो उसका भण्डाफोड़ करना चाहिए। देश आज नई चुनौतियों से रूबरू है। गरीबी और भ्रष्टाचार हमारे सबसे बड़े दुश्मन हैं। राजनीति सेवा की बजाय व्यापार हो गया है। यदि हमने अब भी आँख मूंदकर मशीन का बटन दबाया तो इसका सीधा अर्थ अपने दुर्भाग्य को निमंत्रण भेजना होगा। अतः चुनाव के दौरान अपने-अपने इलाके में पूरे चौकन्ने रहें। प्रत्याशियों का आकलन करें। उसके बाद ही अपने मताधिकार का उपयोग करें। यह खुशी की बात है कि इस चुनाव में युवा मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा होगा, जिससे देश निर्माण की बड़ी आशाएं हैं।

हार्दिक श्रद्धांजलि

परम श्रद्धेय आदरणीय

आनन्दीलाल जी शर्मा

(उपाचार्य, लोकमान्य तिलक बी.एड कॉलेज डबोक, उदयपुर)
(पूर्व प्राचार्य, आर. एम. वी. ,बी. एड, कॉलेज, उदयपुर)
(पूर्व प्राचार्य, हरिभाऊ उपाध्याय महिला बी. एड कॉलेज, हटून्डी, अजमेर)

।। श्रद्धानवत ।।

पंकज-रेणु, नीरज-डॉ. अनिता (पुत्र-पुत्रवधु), **अभिजय, मेघांश** (पौत्र), **आर्षेयी, प्रिशा** (पौत्री)
शोभा-सुरेन्द्र, सुधा-ओम, डॉ.वीणा-स्व. गौरव, अरुणा-पद्म, रश्मि-अनिल (पुत्री-दामाद)
दोहित्र-दोहित्री :- **प्रत्यूष, मोहित, स्व. चिन्मय, तन्मय, भार्गवि,**
नयन नारायण, पूर्वा, हार्दिक, चिर्कीषु, जिगिषा

रक्षाबन्धन, धानमण्डी, उदयपुर

लोकतंत्र का महापर्व

सात चरण तय करेंगे 'सरताज'

11 से 19 मई तक चलेगा मतदान
23 मई को गणना और नतीजे

- मनीष उपाध्याय

देश में सत्रहवीं लोकसभा के लिए चुनाव प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों पर चुनाव आयोग ने सात चरणों में मतदान कराने का ऐलान किया है। पहले चरण में 11 अप्रेल को जबकि अन्तिम चरण में 19 मई को वोट डाले जाएंगे। दूसरा चरण 18, तीसरा 23, चौथा 29 अप्रेल तथा पांचवा व छठा चरण क्रमश: 6 व 12 मई को सम्पन्न होगा। सभी चरणों की वोटिंग की गिनती एक साथ 23 मई को होगी और उसी दिन नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। नई लोकसभा का 3 जून से पहले हो जाएगा। देश के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर वीवीपेट युक्त ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी लगे होंगे और पूरी चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। इस बार मतदान केन्द्रों की संख्या भी पिछले चुनाव से 1 लाख बढ़ाकर 10 लाख कर दी गई। पहले तीन चरण के मतदान की अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं।

इस आम चुनाव में 90 करोड़ वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। पिछले आम-चुनाव यानी 2014 से अब तक 8.4 करोड़ मतदाता बढ़े हैं। इनमें से डेढ़ करोड़ मतदाता 18 से 19 साल के हैं। पिछले चुनाव में 81 करोड़ वोटर थे। मतदान के घोषित चरणों के दौरान ही चार राज्यों की विधानसभाओं के भी चुनाव होंगे। ये राज्य हैं - आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम।

सातों चरण के मतदान के दौरान पहले चरण में 11 अप्रेल को आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में लोकसभा सीटों के साथ ही इन राज्यों की विधानसभा सीटों के लिए भी मतदान होगा। ओडिशा में चार चरण में होने वाले लोकसभा सीटों के मतदान के दिन ही विधानसभा सीटों के लिए भी वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा राज्य में 11, 18, 23 और 29 अप्रेल को लोकसभा सीटों के लिए भी मतदान होगा। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में लोकसभा सीटों के लिए

कब-कहां वोट

पहला चरण

मतदान : 11 अप्रेल, सीटें : कुल 91, राज्य (20)

आंध्रप्रदेश(24), अरुणाचल प्रदेश(2), असम(5), बिहार(4), छत्तीसगढ़(1), जम्मू-कश्मीर(2), महाराष्ट्र(7), मणिपुर(1), मेघालय(2), मिजोरम(1), नागालैण्ड(1), ओडिशा(4), सिक्किम(1), तेलंगाना(17), त्रिपुरा(1), यूपी(8), उत्तराखंड(5), पश्चिम बंगाल(2), अंडमान एवं निकोबार(1), लक्षद्वीप(1), दादरा एवं नागर हवेली(1)।

दूसरा चरण

मतदान : 18 अप्रेल, सीटें : कुल 97, राज्य (13)

असम(5), बिहार(5), छत्तीसगढ़(3), जम्मू-कश्मीर(2), कर्नाटक(14), महाराष्ट्र(10), मणिपुर(1), ओडिशा(5), तमिलनाडु(39), त्रिपुरा(1), उत्तर प्रदेश(8), पश्चिम बंगाल(3), पुडुचेरी(1)।

तीसरा चरण

मतदान : 23 अप्रेल, सीटें : कुल 115, राज्य (14)

असम(4), बिहार(5), छत्तीसगढ़(7), गुजरात(26), गोवा(2), जम्मू-कश्मीर(1), कर्नाटक(14), केरल(20), महाराष्ट्र(14), ओडिशा(6), उत्तर प्रदेश(10), पश्चिम बंगाल(5), दादरा एवं नागर हवेली(1), दमन दीव(1)।

चौथा चरण

मतदान : 29 अप्रेल, सीटें : कुल 71, राज्य (9)

बिहार(5), जम्मू कश्मीर(1), झारखंड(1), मध्यप्रदेश(6), महाराष्ट्र(17), ओडिशा(6), राजस्थान(13), यूपी(13), पश्चिम बंगाल(8)।

पांचवां चरण

मतदान: 6 मई, सीटें: कुल 51, राज्य (7)

बिहार(5), जम्मू कश्मीर(2), झारखंड(4), मध्यप्रदेश(7), राजस्थान(12), यूपी(14), पश्चिम बंगाल(7)।

छठा चरण

मतदान : 12 मई, सीटें : कुल 59, राज्य (7)

बिहार(8), हरियाणा(10), झारखंड(4), मध्यप्रदेश(8), यूपी(14), पश्चिम बंगाल(8), दिल्ली(7)।

सातवां चरण

मतदान : 19 मई, सीटें : कुल 59, राज्य (8)

बिहार(8), झारखंड(3), मध्यप्रदेश(8), पंजाब(13), पश्चिम बंगाल(9), चंडीगढ़(1), उत्तर प्रदेश(13), हिमाचल(4)।

पांच चरण में मतदान होगा, लेकिन विधानसभा चुनाव नहीं कराए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल का शासन है। पिछले साल नवम्बर में राजनैतिक संकट के चलते राज्य विधानसभा को भंग कर दिया गया था।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व को व्यवस्थित और अनुशासित रूप से सम्पन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा और उनकी पूरी टीम पूरी तरह कटिबद्ध है। इस कार्य में सभी राजनैतिक दलों और प्रत्याशियों को चुनाव आयोग के साथ सहयोग करना होगा। जिसमें आचार संहिता की पालना अहम है। चुनाव आयोग उनसे उम्मीद रखता है कि राजनैतिक शुचिता और लोकतांत्रिक मर्यादा का ध्यान रखते हुए चुनाव लड़ा जाए। ऐसे में मतदाताओं की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल पूरी सोच-समझ के साथ करें।

यह थी चुनौतियां

हाल में हुई हिंसा उम्मीदवारों के लिए सुरक्षाबलों की जरूरत, केन्द्रीय बलों व रसद की उपलब्धता समेत अन्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर में केवल संसदीय चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है।

- सुनील अरोड़ा, मुख्य चुनाव आयुक्त

सोशल मीडिया पर नजर

पहली बार राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया विशेषज्ञ टीम की मदद ली जा रही है। चुनाव आयोग की ओर से गठित यह टीम राज्य स्तर के अलावा संसदीय लोकसभा स्तर पर भी तैनात की जाएगी। इसमें आईटी क्षेत्र के लोग शामिल होंगे। टीम चुनाव आयोग को रिपोर्ट करेगी। आयोग ने पहली बार बाहर से विशेषज्ञों की टीम तैनाती की है।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण
घोषणा पत्र फार्म-4

1.	प्रकाशन स्थल	उदयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	आशीष बापना
	क्या भारत का नागरिक है	हां
	पता	पायोराईट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाबबाग रोड, उदयपुर
4.	प्रकाशक का नाम	पंकज शर्मा
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर
5.	सम्पादक का नाम	विष्णु शर्मा हितैषी
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	हितैषी भवन, सूरजपोल अन्दर, उदयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों	पंकज शर्मा रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर

मैं पंकज शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

दिनांक : 1 मार्च, 2019 **पंकज शर्मा**

स्थान : उदयपुर **प्रकाशक**

पाठकपीठ

'प्रत्यूष' का मार्च - 2019 के अंक में 'कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना' आलेख इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि भारतीय राजनीति शुद्र स्वार्थों में लिप्त है और नौकरशाही को दिया जा रहा अनुचित संरक्षण आम आदमी के हित में नहीं है। प. बंगाल में मुख्यमंत्री ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को बचाने पर धरना देकर यह दिखा दिया है कि वे वोटों की खेती के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। भ्रष्टाचार का मुद्दा उनके लिए कोई मायने नहीं रखता।

- सुरेश अग्रवाल, उद्यमी

'प्रत्यूष' नियमित रूप से मिलती है। इसके सभी आलेख अच्छे हैं। साज-सज्जा भी ठीक है। इसके रंगीन पृष्ठ और बढ़ाए जाएं तो मैं समझता हूँ, यह पत्रिका अधिक लोकप्रिय हो सकेगी।

- जिनेन्द्र वाणावत, उद्यमी

प्रत्यूष का सोलहवें वर्ष में प्रवेश अच्छी खबर है। संजीदा पत्रिकाओं का प्रकाशन आज सहज नहीं है। स्तरीय और ज्ञानवर्द्धक पत्रिकाओं के प्रकाशन में सरकार और समाज दोनों को सहायक बनना चाहिए। 'प्रत्यूष' की परिवार को हमेशा प्रतीक्षा रहती है।

- हरीश त्रिवेदी, उद्यमी

आखिर पुलवामा का बदला भारत ने चुकता कर दिया। इस बड़ी कार्रवाई के बाद भी यह नहीं समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान सुधर जाएगा। हमें पूरी तहर तैयार रहना है।'प्रत्यूष' के पिछले अंक का सम्पादकीय 'तेज करें वार की धार' सटीक, सामयिक और बढ़िया लगा। शहादत को सलाम! अभिनन्दन का अभिनन्दन!

- डा. अमित धींग, चिकित्सक

भारत ने पाकिस्तान में ध्वस्त किया आतंक का गढ़

◆ पुलवामा का हिसाब चुकता, लेकिन कई मोर्चों पर अभी लड़ाई शेष

◆ बालाकोट की लपटों में आतंकी अजहर मसूद के खानदान का खात्मा

– जगदीश सालवी

26 फरवरी की रात करीब 3.30 बजे जब पूरा देश गहरी नींद में सो रहा था, तो ग्वालियर से उड़े 12 मिराज-2000 लड़ाकू विमानों के समूह ने भारत को एक सुनहरी सुबह देने की भूमिका लिख दी। इन विमानों द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर के पार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बालाकोट में गिराए एक हजार किलो के बमों ने उस पाकिस्तान को चेहरा को बुरी तरह झकझोर दिया, जिसे अपने अस्तित्व की रक्षा केवल आतंकवाद के फार्मूला में दिखाई पड़ती है। मात्र 21 मिनट में अपना काम पूरा कर सभी विमान सुरक्षित भारतीय सीमा में लौट आए। भारतीय बमवर्षकों का निशाना बालाकोट के वे आतंकी शिविर थे, जिन्हें आतंकी मसूद अजहर का संगठन जैश-ए-मोहम्मद संचालित कर रहा था। एक हजार किलो बम बरसाने का मतलब है इनसे होने वाली तबाही का क्षेत्र बहुत बड़ा रहा होगा। इस बड़े आतंकी कैम्प के साथ ही अजहर के खानदान के बड़े हिस्से का भी खात्मा हो गया।

भारतीय वायुसेना ने अपनी जांबाजी और रणकौशल का लोहा एक बार फिर पूरी दुनिया से मनवा लिया। ऐसे दुर्गम स्थान पर हमला करके हमारे जांबाज तुरंता-फुरंती लौट आए और दुश्मन हाथ मलता रह गया। भारत का यह आत्मबल केवल बेहतर फौज, फौजियों और हथियारों के कारण तो है ही, यह आत्मबल मोदी सरकार की पिछले साढ़े चार साल की विदेश नीति के कारण भी है। भारत दुनिया के अधिकांश देशों को यह समझाने में कामयाब रहा है कि पाकिस्तान में चल रही आतंक की फैक्ट्री पूरी दुनिया के लिए खतरा है। साथ ही यह भी कि उसे आतंकवादी हमलों का जवाब देने का हक है और उसने यह जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े आतंकी शिविर को जमींदोज कर दिखा भी दिया।

इस तरह भारत ने 14 फरवरी को पाकिस्तान की ओर से कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का बदला चुकता कर दिया। जिसमें हमारे 40 जवानों ने शहादत दी। इस कार्रवाई की कामयाबी के बाद भी यह सोचना शायद नासमझी ही होगी कि इस कड़े सबक से पाकिस्तान सुधर जाएगा और आतंक के पालनाघर बनने से बाज आएगा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को पूरी तरह से मटियामेट करने के लिए हमें अभी एक साथ कई मोर्चों पर और लड़ाई लड़नी होगी। राजनयिक स्तर पर भी, राजनैतिक स्तर पर भी और सर्जिकल स्ट्राइक के स्तर पर भी। पाकिस्तान को हर मोर्चे पर कड़ी टक्कर देते हुए यह स्पष्ट बताना होगा कि आतंकवाद के प्रसार की उसकी नीति अन्ततः उसी को महंगी पड़ने वाली है। भारत कई दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद को झेल रहा है, लेकिन हमारे प्रगति-रथ के पहिए, न रुके हैं और न रुकने वाले हैं। जबकि पाकिस्तान को उसकी ही करतूतों ने एक नाकाम मुल्क बना दिया है।

बालाकोट पर भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक से तिलमिलाए पाकिस्तानी सैनिकों ने 27 फरवरी की सुबह भारतीय वायुसीमा में एफ-16 विमानों द्वारा घुसने की कोशिश की जिन्हें भारतीय वायुसेना के चौकन्ना विमानों ने खदेड़ दिया। इसी दौरान भारतीय वायुसेना के 'उड़न ताबूत' कहे जाने वाले मिग-21 बाइसन ने अपनी ताकत से पूरी दुनिया को चौंका दिया। अमेरिका निर्मित पाकिस्तानी वायुसेना के एक एफ-16 विमान को इस हमले में हमारे मिग-21 ने भारतीय सीमा में ही मार गिराया। पाकिस्तानी विमान एफ-16 की हमारे मिग-21 बाइसन से यह लड़ाई आसमान में एक चिड़िया और बाज के लड़ने जैसी थी। एफ-16 बाज की स्थिति में था। लेकिन देश पर मर मिटने के जज्बे और जिगर में जोश से पचास साल पुराने मिग-21 के

पायलट विंग कमाण्डर अभिनन्दन वर्धमान ने 30 साल के युवा आधुनिक एयरक्राफ्ट एफ-16 युद्धक विमान के परखच्चे उड़ा दिए।

इसी दौरान जांबाज पायलट अभिनन्दन को अपना विमान भी जलता दिखाई पड़ा। वह तत्काल पैराशूट लेकर कूद पड़े। स्वदेश पीछे छूट गया और वे पाकिस्तान के अनधिकृत कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) में उतरे। जब उन्हें पेश हालातों से इसका भान हुआ तो उन्होंने पूरी हिम्मत से काम लिया। पैराशूट को देख भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसने इस जांबाज के साथ मारपीट की। कुछ ही देर में पाकिस्तानी सेना की एक टुकड़ी घटनास्थल पर पहुंची जिसने उन्हें हिरासत में लिया। लेकिन विश्व समुदाय के सामने उजागर हुई हकीकत से शर्मसार हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी सेना को 50 घण्टे में उनकी रिहाई के लिए मजबूर भी होना पड़ा।

पाकिस्तान के भीतर घुसकर एयर स्ट्राइक को अंजाम देने में वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ की भूमिका भी बेहद अहम रही। उन्होंने न सिर्फ एयर स्ट्राइक का विकल्प सुझाया, बल्कि इसके क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धनोआ पूर्व में कारगिल युद्ध के दौरान तत्कालीन वायुसेना प्रमुख ए. वाई टिपणिस के साथ काम कर चुके हैं। तब भी वायुसेना की फाइटर स्क्वाड्रन का नेतृत्व उनके पास था। जब टिपणिस ने वायुसेना पायलटों का हौसला बढ़ाने के लिए खुद उड़ान भरी थी तो धनोआ ने खुद फाइटर उड़ाने का फैसला किया था। उनका कहना था कि वे वायुसेना प्रमुख के जीवन को खतरे में नहीं डाल सकते। धनोआ को कारगिल यद्ध के दौरान रात में ऐसे हमलों को अंजाम देने का खासा अनुभव है। एक फाइटर पायलट के रूप में उनका कुल 37 वर्षों का अनुभव है। इस एयर स्ट्राइक को अंजाम देने और उसका समय तय करने में भी धनोआ की ही सोच रही है। उन्होंने जो समय चुना वह भारतीय पायलटों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ।

पहले भी बोला धावा दो लक्षित हमले

10 जून 2015

भारतीय सेना ने म्यांमार सीमा पर एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना का ऑपरेशन म्यांमार में मौजूद एनएससीएन(खापलांग) समूह के उग्रवादियों के खिलाफ हुआ था। ऑपरेशन भारत-म्यांमार सीमा पर 10 जून 2015 को सुबह करीब 4.45 बजे किया गया था। जिसे इंडो-म्यांमार बॉर्डर के लंगखू गांव में अंजाम दिया गया था। इस बड़ी कार्रवाई में कई नगा उग्रवादी मारे गए थे। सटीक खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय वायुसेना और 21 पैरा(एसएफ) ने यह कार्रवाई की। इसमें उग्रवादियों के दो कैंप नष्ट हो गए थे। 70 कमांडो कथित तौर पर इस ऑपरेशन में शामिल थे।

28 और 29 सितम्बर 2016

जम्मू कश्मीर के उरी में सैन्य छावनी पर पाकिस्तानी आतंकी हमले में शहीद हुए 19 जवानों के बाद भारतीय सेना ने 28 और 29 सितम्बर 2016 की रात को लक्षित कार्रवाई की थी। तत्कालीन सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने इस बात की घोषणा की थी कि इस कार्रवाई में पाकिस्तान की तरफ भारी नुकसान पहुंचा था। भारतीय सेना ने पीओके में तीन किलोमीटर भीतर जाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान की जमीन पर आतंकी शिविरों पर हमला किया था। इस हमले को सेना के सात दस्तों और 150 जवानों ने अंजाम दिया था।

धाव भारत में जैश के बड़े हमले

पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद इससे पहले भी भारत में कई बड़े हमले कर चुका है...

24 सितम्बर 2001 : जैश के आतंकी ने विस्फोटक पदार्थों से भरी कार श्रीनगर में विधानसभा भवन से भिड़ाई। इसी दौरान अन्य आतंकी विधानसभा की पुरानी इमारत में पीछे से घुस गए और वहां आग लगा दी। इस घटना में 38 लोग मारे गए।

13 दिसम्बर 2001 : जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने भारतीय संसद पर हमला बोला। इस दौरान एक सफेद रंग की एम्बेसडर कार संसद भवन की ओर जा रही थी लेकिन सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण इसे अंदर घुसने से पहले ही रोक लिया गया।

2 जनवरी 2016 : पंजाब के पठानकोट में वायुसेना ठिकाने पर हमला भी जैश के चार आतंकियों ने ही किया था। आतंकी सेना की वर्दी में घुसे थे। सेना ने सभी हमलावरों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में तीन जवान शहीद हुए।

18 सितम्बर 2016 : जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में आतंकियों ने सेना मुख्यालय पर हमला किया। जिसमें सेना के 18 जवान शहीद हुए। जवानों ने हमले में शामिल सभी 4 आतंकियों को मार गिराया।

14 फरवरी 2019 : जैश के फिदाइन आतंकी आदिल अहमद ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला बोला। आदिल ने जवानों की गाड़ी से बारूद भरी अपनी गाड़ी को टकरा दिया। इसमें सेना की बस में बैठे 40 जवान शहीद हुए।

NOBLE INTERNATIONAL SCHOOL

An English Medium School

Points of Distinction

- 100% Excellent Result in X Board Exams with Distinction.
- Every year 5-8 students are selected for "GARGI AWARD".
- Proficient Teachers from English medium background.
- C.C.E exam pattern.
- Magnificent infrastructure with airy & green environment.
- Well versed Computer lab & library.
- Enabling child to speak fluent English by providing an English speaking environment.
- Daily home work classes.
- Regular workshops for Drama, Poetry, Story writing, Music, Dance, Fine Arts and craft to unfold the creative aspect of the student.
- Psychologically designed personality enhancement programs.
- Emphasis on mental & physical health through yoga. meditation and sports on regular basis.
- Monthly parents teachers. meeting.
- Regular medical checkups.
- sate & secure transportation facilities.

ADMISSION OPEN FOR PLAY GROUP TO XII

SPECIAL DISCOUNT FOR GIRL CHILD

2, SAGAR DARSHAN, RANI ROAD, UDAIPUR (Raj.)

FOR ADMISSION CONTACT : 0294-2430930, Email id: nisudr2016@gmail.com

Visit : www.nisudaipur.com

महावीर और उनके पंचशील सिद्धांत

– महिम जैन

भगवान महावीर का जन्म ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व) वैशाली (बिहार) गणतंत्र के राज्य कुण्डलपुर में लिच्छवी वंश के क्षत्रिय महाराजा सिद्धार्थ-महारानी त्रिशला देवी के घर चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था।

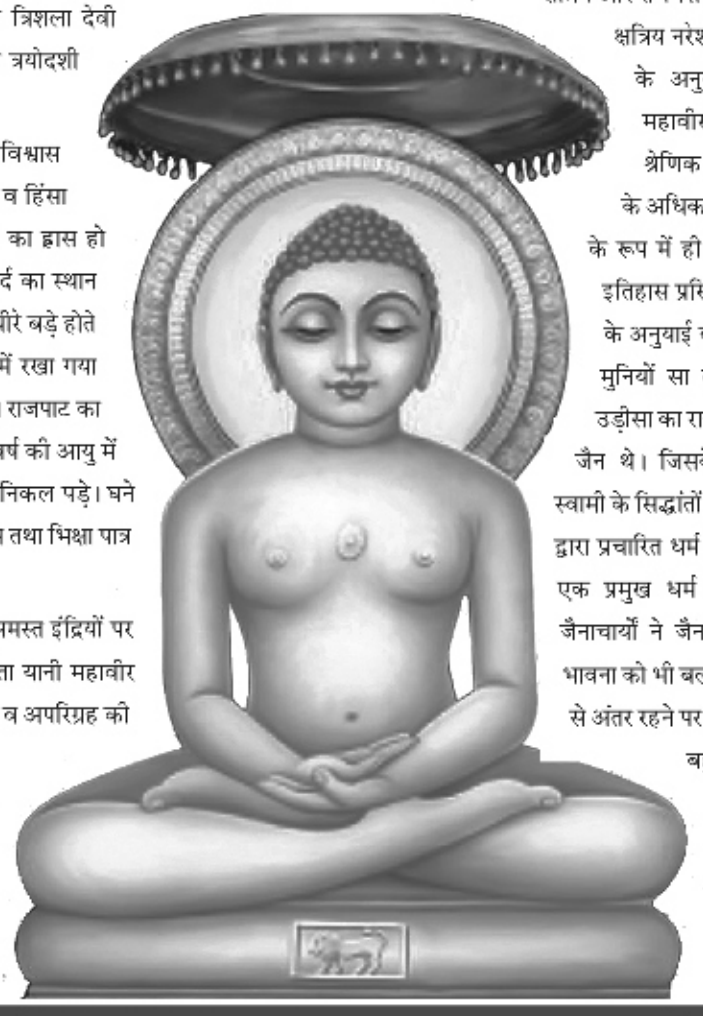

यह वह वक्त था, जब देश में अंधविश्वास अपने प्रचंण्ड वेग पर था, पशुबलि व हिंसा का बोलबाला था, मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा था, परस्पर सहयोग एवं सौहार्द का स्थान ईर्ष्या व द्वेष ने ले लिया था। धीरे-धीरे बड़े होते वर्धमान(माता-पिता द्वारा बचपन में रखा गया नाम) इन सबसे व्यथित हो रहे थे। राजपाट का मोह उन्हें बांध नहीं पाया और 30 वर्ष की आयु में वह तपस्या के लिए घोर जंगल में निकल पड़े। घने वन में ज्ञान की खोज में उन्होंने वस्त्र तथा भिक्षा पात्र तक का त्याग कर दिया।

उन्होंने कठोर तप के द्वारा अपनी समस्त इंद्रियों पर विजय प्राप्त की। इसलिए वे विजेता यानी महावीर कहलाए। भगवान महावीर अहिंसा व अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे।

उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लंगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। उन्होंने दुनिया को पंचशील का सिद्धांत दिया। अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य(अस्तेय) और ब्रह्मचर्य जैन मुनि, आर्यिका एवं श्रावक-श्राविकाओं के लिए इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को जीवन जीने की कला सिखाई और मार्गदर्शन किया।

महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उससे भी नम्रता और मधुरता से ही व्यवहार करते थे। इससे लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे। महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव अनेक क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किए गए है। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयाई बने और उन्होंने दक्षिण भारत में जैन मुनियों सा तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। जिसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिन्दू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिन्दुओं में मिल-जुल गए।

महावीर स्वामी का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत अहिंसा का है। उनके अनुसार अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है।

महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं की जा सकती।

मानव समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले महापुरूषों में भगवान महावीर का भी बहुत बड़ा और अमूल्य योगदान है। उन्होंने धर्म की एक बिल्कुल अलग परिभाषा दी, लोगों को अहिंसा का पाठ पढ़ाया, नारी का सम्मान और उसे बराबरी का दर्जा देने की पैरवी की। उनकी सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी 599 ईसा पूर्व थी। महावीर जयंती(17 अप्रेल) के पावन अवसर पर आइये जानें समाज को उनके अवदान के बारे में।

नवरात्री व महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

आधुनिक फर्नीचर का शो–रुम

धनश्री फर्नीचर

Deals in : All kinds of Wooden & Office Furniture

28, अश्विनी बाजार, उदयपुर (राजस्थान), मो. 94148 45841

dhanshreefurniture@gmail.com, web.: dhanshreefurniture.in

शाबास! अभिनंदन

– नंद किशोर शर्मा

भारत और अन्तर्राष्ट्रीय भारी दबाव के चलते लम्बे इंतजार के बाद पाकिस्तान ने आखिरकार 1 मार्च की रात करीब 9.20 बजे भारतीय जांबाज विंग कमाण्डर पायलट अभिनंदन वर्द्धमान भारत को सौंप दिया। अटारी बॉर्डर पर भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और बीएसएफ के जवानों ने पायलट को गले लगाकर रिसीव किया। हालांकि रिहाई के आखिरी समय तक भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। भारत के बीटिंग रिट्रीट समारोह कैंसल करने के बाद भी उसने दुनिया को दिखाने के लिए यह प्रोग्राम किया और इसके खत्म होने के बाद भी कागजी कार्रवाई के नाम पर घंटों की देरी की। पहले दोपहर 2 बजे का समय तय किया गया था लेकिन फिर समय दो बार और बदला तथा प्रक्रिया को लंबा खींचता गया।

घंटों की देरी के बाद भी सुबह से बॉर्डर पर जमे भारतीयों का जोश पूरे उफान पर था। यहां मौजूद लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए 'अभिनंदन है, अभिनंदन है' के नारे लगाते रहे। अपने बहादुर जवान को देखने और उनका स्वागत करने के लिए बॉर्डर पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शाम 4.30 बजे के बाद तो उनमें पाकिस्तान की ओर से रिहाई में की जा रही देरी को लेकर रोष देखा गया।

रिहाई से एक दिन पहले भारत के संभावित एक्शन से घबराए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी संसद के संयुक्त सत्र को सम्बोधित करते हुए अभिनंदन को छोड़ने की घोषणा की। दुश्मन के कब्जे में होने के बाद भी अभिनंदन ने पूरे साहस और दृढ़ता के साथ पाक अफसरों की आंखों में आंखें डालकर सवालों का जवाब उतना ही दिया, जितना जेनेवा कन्वेंशन के तहत दिया जाना चाहिए था। सोशल मीडिया के वीडियो में साफ देखा गया कि पूछताछ के दौरान वह बड़ी बहादुरी से पाक अफसरों को जवाब देते रहे। न सिर झुकाया, न घबराए और न कोई महत्वपूर्ण जानकारी ही दी।

पायलट अभिनंदन को छोड़ना पाकिस्तान की विवशता थी। वह सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार कर चुका था कि भारतीय पायलट अभिनंदन वर्द्धमान उसके कब्जे में है। फिर भारत ने उससे अधिकृत रूप से यह मांग की कि उन्हें तुरन्त छोड़ा जाए। इसके अलावा भारत ने सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों पर जो कार्रवाई की, उससे भी भारत का पलड़ा भारी हो गया था। इसके अलावा 1949 की जिनेवा संधि पर भारत एवं पाकिस्तान, दोनों के ही हस्ताक्षर हैं। यदि पाकिस्तान इसका पालन नहीं करता तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी छवि और खराब हो जाती। पाकिस्तान की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक स्थिति ऐसी है कि इसमें वह इस तरह का कोई जोखिम नहीं उठा सकता था। साथ ही अभिनंदन को रखने से उसे कोई लाभ नहीं मिलता क्योंकि ऐसा करने का जो परिणाम होता, उसे वह सहने की स्थिति में था ही नहीं।

गौरतलब है कि मिग-21 बाइसन के हमारे बहादुर पायलट अभिनंदन ने 27 फरवरी को हवाई लड़ाई में पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 विमान को मार गिराया था। इसके बाद मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने पर वे कॉकपिट से पैराशूट लेकर सुरक्षित निकल गए थे। जिसके तुरंत बाद उन्हें पीओके में पाकिस्तान की सेना ने पकड़ लिया।

तीन लोगों ने पकड़ा

पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार 'डॉन' के अनुसार पेशे से राजनीतिक कार्यकर्ता 58 साल के मोहम्मद रज्जाक ने 27 फरवरी की सुबह पौने नौ बजे हवाई लड़ाई देखी थी। उस समय भारतीय वायुसेना का जेट विमान पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को खदेड़ते-खदेड़ते एलओसी पार कर चुका था। रज्जाक ने जैसे ही अपने घर से कुछ किमी दूर एक पैराशूट उतरते हुए

देखा तो उन्होंने अपने दोस्त शोएब, रज्जा और कुछ दूसरे स्थानीय लोगों को कॉल करके मौके पर पहुंचने के लिए कहा।

'पीठ टूट गई है, पानी चाहिए'

तब तक विंग कमाण्डर अभिनंदन पैराशूट सहित नीचे आ चुके थे, उन्होंने वहां मौजूद लोगों से पहला सवाल किया – यह भारत है या पाकिस्तान? इतने में भीड़ में से किसी ने कहा कि वह भारत में हैं। इस पर अभिनंदन ने भारत समर्थित नारे लगाए और लोगों से उस जगह का नाम पूछा। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि उनकी पीठ टूट गई और प्यास लगी है, पानी चाहिए।

हवा में फायर कर तालाब में कूदे

एक युवक द्वारा जगह का नाम किस्सा बताते ही इकट्ठी भीड़ ने पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिए और अभिनंदन के साथ मारपीट की। अपने बचाव में अभिनंदन ने पिस्तौल निकाल कर हवा में फायरिंग की। उन्होंने अपने कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों को निगल लिया और भीड़ से बचकर नजदीक के एक तालाब में कूद गए। भीड़ ने उन्हें वापस बाहर निकाल लिया और तालाब से कुछ गीले कागज भी बरामद कर लिए। थोड़ी देर बाद वहां पाकिस्तानी सेना के छह जवान पहुंचे और अभिनंदन को हिरासत में ले लिया।

यूं बना पाक पर दबाव

भारत के सामने बड़ी चुनौती थी कि वह कौन-सा रास्ता अपनाए कि विंग कमांडर अभिनंदन की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके। जाहिर है, भारत ने पिछले वर्षों में दुनिया भर में जो साख बनाई है और ताजा संकट में भी कूटनीतिक स्तर पर जिस तरह की पहलकदमी की, उसकी वजह से कई देशों ने भारत के पक्ष में साफ राय जाहिर की जिससे तथा विपक्ष के एकजुट स्वर से पाकिस्तान पर दबाव बना। अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अभिनंदन को वापस करने के लिए पाकिस्तान ने दबे-ढके शब्दों में शर्त की तरह बातचीत का जो प्रस्ताव रखा था, उससे भी उसे पीछे हटना पड़ा। इस बीच भारत की ओर से लगातार दबाव बनाए रखा गया और इसी का परिणाम था कि पाकिस्तान से कमांडर अभिनंदन की सुरक्षित वापसी संभव हो सकी। वरना यह किसी से छिपा नहीं है कि भारत के सैनिकों के प्रति पाकिस्तान का क्या रवैया रहा है। अनेक फौजी आज भी पाकिस्तान की कैद में अपनी रिहाई का इंतजार कर रहे हैं और उनके मामले में पाकिस्तान ने कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया है।

निश्चित रूप से विंग कमांडर अभिनंदन की भारत वापसी हमारे देश के लिए एक शानदार उपलब्धि है। भारत सिर्फ इतना चाहता है कि पाकिस्तान एक अच्छे पड़ौसी की तरह रहे। आतंकी संगठनों को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दे। मगर बार-बार के आश्वासनों के बावजूद पाकिस्तान ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इसी अघोषित संरक्षण की वजह से आतंकी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं और इसका खामियाजा भारत को उठाना पड़ता है। पुलवामा हमले और उसके बाद विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी तक के घटनाक्रम का एक जरूरी सबक यह है कि भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वालों के खिलाफ पाकिस्तान जमीनी स्तर पर कार्रवाई करे। अगर इस दिशा में ठोस पहलकदमी नहीं हुई तो भारत को जवाबी कार्रवाई करनी होगी और नाहक ही युद्ध जैसे हालात पैदा होंगे, जो किसी के हित में नहीं होंगे।

देश की सेवा में तीन पीढ़ियां

पायलट विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान (38) का परिवार तीन पीढ़ियों से देश की रक्षा-सुरक्षा में अहम योगदान देता रहा है।

अभिनंदन के न केवल पिता बल्कि दादा भी वायुसेना में रह चुके हैं। उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध में दुश्मन के छक्के छुड़ाए थे। उनकी पत्नी और भाई भी वायुसेना से जुड़े रहे हैं।

अभिनंदन के पिता एयर मार्शल सिम्हाकुट्टी वर्धमान पांच साल पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। वे देश के उन चुनिन्दा पायलटों में शुमार हैं, जिनके पास 40 तरह के विमान और 4000 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने का अनुभव है। वे करगिल युद्ध के दौरान निराज स्क्वाड्रन के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर थे। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले के रहने वाले अभिनंदन 2004 में फाइटर पायलट के तौर पर वायुसेना में शामिल हुए थे। वर्तमान में मिग-21 बाइसन विमानों की स्क्वाड्रन का नेतृत्व कर रहे हैं।

बॉलीवुड में फिल्म बनाने की होड़

जांबाज अभिनंदन पर फिल्म प्रोड्यूसर्स ने फिल्म बनाने की भी प्लानिंग की है। प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स देश के इस हीरो को पर्दे पर उतारना चाहते हैं। पिछले दिनों इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के मुम्बई के अंधेरी कार्यालय में कई नामी प्रोड्यूसर्स पुलवामा, बालाकोट, अभिनंदन जैसे फिल्म टाईटल रजिस्टर करवाने पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 23 टाइटल रजिस्टर्ड किए गए हैं। टाईटल रजिस्टर करने वालों इंडिया की इंचार्ज उज्जवला ने इस बात की पुष्टि भी की है।

स्कूल की दोस्त से शादी

अभिनंदन ने अपनी स्कूल के समय की मित्र तन्वी मरवाह से ही शादी की है। तन्वी भी वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर पद पर रही हैं। दोनों पांचवीं कक्षा से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों ने कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी की डिग्री भी एक साथ हासिल की थी। दोनों के दो बच्चे हैं।

कर्तव्य और त्याग के प्रेरणा पुंज श्रीराम

- त्रिलोकीदास खण्डेलवाल

धर्म को ईश्वर की उपासना और साधना का क्षेत्र माना जाता है। सभी धर्मों ने अपने ईश्वरीय ज्ञान और उपदेशों को धर्म ग्रन्थों के माध्यम से अपने अनुयायियों को समझाया है। हिन्दू राम और कृष्ण को ईश्वर का अवतार मानते हैं।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में सूर्यवंश में कौशल्या की कोख से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ था। इसलिए यह तिथि रामनवमी के नाम से जानी जाती है। भारतीय जनमानस में यह दिन पुण्य पर्व माना जाता है। महाकवि तुलसीदास ने भी इसी दिन से 'रामचरितमानस' की रचना आरंभ की थी।

सम्पूर्ण भारतवर्ष के हिन्दू परिवारों में राम का जन्म महोत्सव उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। इस दिन पुण्य सलिला सरयू में अनेक लोग स्नान करके पुण्य-लाभ कमाते हैं। अयोध्या में इस दिन बड़ा भारी मेला लगता है। सुदूर अंचलों से आए हुए यात्री श्रीराम के दर्शन और सरयू में स्नान करने के लिए आते हैं। इस दिन व्रत रखकर भगवान राम और रामचरित मानस(रामायण) की पूजा की जाती है।

भगवान राम की मूर्ति को शुद्ध, पवित्र ताजे जल से स्नान कराकर, नवीन वस्त्राभूषणों से सुसज्जित करें और फिर धूप, दीप आरती, पुष्प पीला चंदन अर्पित करते हुए पूजा करें। भगवान राम को दही, दूध, घी, शहद, चीनी से बनाया हुआ पंचामृत तथा भोग अर्पित किया जाता है। फिर भगवान का भजन, कीर्तन, पूजन आदि करके प्रसाद को पंचामृत सहित वितरित किया जाता है। चैत्र मासीय वासंतीय नवरात्र में दुर्गासप्तशती के पारायण के साथ ही अखण्ड रामायण पाठ अथवा सुन्दरकाण्ड के पाठ भी होते हैं। जो मनुष्य भक्ति भाव से रामनवमी का व्रत करते है, उन्हें महान फल मिलता है। इस दिन के व्रत का पारण दशमी को करके व्रत का विसर्जन करें। इस दिन सारा समय भगवान के भजन-स्मरण, स्त्रोत पाठ, दान-पुण्य, हवन और उत्सव में बिताएं।

रघुकुल में राजा दशरथ के महलों में जन्म लेने वाले श्री रामचन्द्र कोई उपदेशक नहीं थे। वे एक साधारण इन्सान की जिंदगी और कर्त्तव्यपरायणता और इन्सानियत की कहानी है। महर्षि वाल्मीकि उन्हें 'साधुओं की रक्षा और दुष्टों का संहार' करने वाले महामानव के रूप में देखते हैं। तुलसीदास जो ने रामचरित मानस में उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम और रघुवंश शिरोमणि के रूप में चित्रित किया है। समय के साथ दिव्य राम कथा में अगणित क्षेपक जुड़े और घटे हैं और पूरा भारत राम कथा के स्मारकों और मन्दिरों से अटा पड़ा है।

देवताओं में राम का एक विशिष्ट स्थान है। सरयू तट पर बसी उनकी स्वर्ग नगरी आज भी यथावत है। कनक बिहारी की पूजा अर्चना को समर्पित लाखों भक्तजन यहां आकर अपने मनोरथों को सिद्धी पाते हैं। उत्तर प्रदेश की यह धर्म नगरी राम के जीवन से जुड़े सजीव प्रसंगों की साक्षी है। कनक भवन, चित्रकूट, जनकपुरी, सीतामढ़ी, किष्किन्धा, नल-नील सेतु आदि ऐसे अगणित स्मारक हैं, जो आज भी रामायण के इतिवृत को प्रमाणित करते हैं। रामायण में 'मिरेकिल्स' या अविश्वसनीय घटनाएं नहीं हैं और पूरी कथा बेहद नैसर्गिक और विश्वसनीय लगती है। कृष्ण कथा और गीता से बहुत पहले लिखी गई यह रचना भारतीय जीवन के मानव मूल्यों के श्रेयस की गाथा है। जीवन और परिवार का हर सम्बन्ध इसमें चित्रित हुआ है और गोस्वामीजी सबका उत्तर देते हुए राम की विजय और रावण की पराजय से उस कर्त्तव्यपरायणता के मानवतावाद की शिक्षा दे रहे हैं, जो आज भी पूरे संसार का अभीष्ट है।

राम को अवतार न मानने वाले लोग भी उन्हें एक इतिहास पुरुष और महामानव मानकर उनके जीवन से प्रेरणा ले सकते हैं। राम ने ऐसा कुछ भी नहीं किया और कहा जो विवादास्पद या आलोचना का विषय बने। उन्होंने भारत भूमि को राक्षसों या दानवों से मुक्त किया। अपने पिता की आज्ञा का पालन कर। साम्राज्य को छोड़कर चौदह वर्षों तक जंगलों में रहे। बालि का वध कर सुग्रीव को न्यायपूर्वक राजा बनाया। पत्नी का हरण करने वाले रावण को युद्ध में पराजित कर लंका को असुर राज्य से मुक्त किया। एक राजा का आदर्श जीवन जीते हुए रामराज्य का एक ऐसा मॉडल दुर्लभ है, जहां जन आलोचना के कारण उन्हें पत्नी सीता और पुत्र लवकुश तक का परित्याग करना पड़ा। रामनवमी कर्त्तव्य और त्याग की चेतना का पर्व है।

भारत के मज़बूत इरादे और विश्व समुदाय के भारी दबाव के चलते भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनन्दन वर्धमान को रिहा करने पर तो पाकिस्तान मजबूर हुआ ही, साथ ही उसे इस्लामी देशों के सबसे बड़े समूह इस्लामिक सहयोग संगठन(ओआईसी) ने भी पटखनी दे दी। भारत को आमंत्रित करने पर आयोजन के बहिष्कार की उसकी धमकी को न केवल ओआईसी ने अनदेखा किया बल्कि भारत को 'ऑनर ऑफ गेस्ट' भी प्रदान किया।

- फिरोज अहमद शेख

ओआईसी की पटखनी से कराहता पाकिस्तान

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के बाद वैश्विक बिरादरी ने भारत की कार्रवाई का समर्थन करते हुए जो कदम उठाए हैं, उनसे साफ है कि दुनिया के ज्यादातर देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। सुरक्षा परिषद के सभी स्थायी सदस्य देशों – अमेरिका से लेकर रूस, ब्रिटेन और फ्रांस तक ने भारत की कार्रवाई को सही ठहराया और साथ ही पाकिस्तान को चेताया भी। भारत की यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। पर इससे भी बड़ी कामयाबी भारत को 1 मार्च को तब मिली जब इस्लामिक सहयोग संगठन(ओआईसी) में पहली बार भारत ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और आतंकवाद फैलाने वालों को खुले शब्दों में चेताया। भारत की विदेश मंत्री ने अबू धाबी में ओआईसी की बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है, न कि किसी धर्म के। भारत लंबे समय से सीमापार से आतंकवाद की समस्या को झेल रहा है और पिछले तीस सालों में इसने काफी कुछ खोया है। सम्मेलन में भारत का पक्ष रखते हुए विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस्लाम का मतलब ही अमन है। ऐसे में अगर धर्म और कट्टरतावाद या चरमपंथ के नाम पर आतंकवाद फैलाया जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यानी जिस साफगोई के साथ भारत ने अपना पक्ष रखा है वह संगठन के देशों के लिए बड़ा संदेश है

यह पहला मौका था जब ओआईसी के मंच से भारत ने आतंकवाद के खिलाफ आह्वान किया। हालांकि विदेश मंत्री ने कहीं भी पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन संदेश साफ था। दरअसल, भारत की ओर से जो भी कहा गया वह सीधा-सीधा पाकिस्तान को लेकर ही था। भारत सत्तावन देशों वाले ओआईसी का सदस्य नहीं है। फिर भी, पाकिस्तान के कड़े विरोध को दरकिनार करते हुए ओआईसी ने भारत को इस मंच पर आने का न्यौता दिया। उल्लेखनीय है कि 1969 में भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल ओआईसी के सम्मेलन में हिस्सा लेने गया था, लेकिन पाकिस्तान के अड़ जाने पर। संगठन ने उसका रद्द कर दिया और बीच रास्ते से ही दल को लौटना पड़ा था। तब से ओआईसी ने भारत से दूरी बना ली। मगर बदलते मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में अगर ओआईसी ने भारत को इस सम्मेलन में बुलाया और संबोधन का मौका दिया तो इससे यह संकेत है कि इस्लामिक देशों के संगठन में भी भारत का दबदबा बढ़ा है और स्वीकार्यता भी। भविष्य में कूटनीतिक और सामरिक परिस्थितियों में भारत नई भूमिका में भी आ सकता है। पाकिस्तान को समय रहते इसके अर्थ समझने होंगे।

ओआईसी में भारत को पहुंचने से रोकने के लिए पाकिस्तान ने जिस तरह से दबाव बनाया, उसमें उसे मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह मेहमूद कुरैशी ने साफ कहा था कि अगर भारत को इस्लामिक देशों के इस मंच पर आमंत्रित किया गया तो पाकिस्तान सम्मेलन का बहिष्कार करेगा। आखिरकार पाकिस्तान इसमें शरीक नहीं हुआ। पाकिस्तान के लिए यह बड़ा झटका इसलिए है कि जिस ओआईसी को वह अपना घर कहता रहा है, वहीं उसे तवज्जो नहीं मिली

भारतीय विदेश मंत्री का अबू धाबी दौरा सिर्फ इसीलिए खास नहीं था कि इस्लामी सहयोग संगठन की बैठक में भारत को 'सम्मानित अतिथि' के रूप में बुलाया गया, बल्कि इसलिए भी कि मुस्लिम दुनिया के करीब आने का हमारे लिए यह एक सार्थक और अच्छा मौका था। पाकिस्तान बेशक इस बैठक में शामिल नहीं हुआ, लेकिन सुषमा स्वराज ने खुलकर अपनी राय रखी और मुस्लिम दुनिया को उसकी करतूतें गिनाईं।

इस्लामी सहयोग संगठन से नजदीकी कई मोर्चों पर भारत के लिए फायदेमंद है। सबसे बड़ा फायदा तो यह होगा कि कश्मीर के मसले पर अब हम

मुस्लिम राष्ट्रों तक अपनी बात आसानी से पहुंचा सकेंगे। असल में, इस संगठन के सभी 57 सदस्य मुस्लिम देश हैं, जिनका एक 'कश्मीर कॉन्टेक्ट ग्रुप' भी है। इस पर पूरी तरह से पाकिस्तान का कब्जा है। वह इसका इस्तेमाल कश्मीर पर अपनी सियासत चमकाने में करता है। यही कारण है कि पिछले दो दशकों से कश्मीर मसले पर यह ग्रुप जो भी बयान जारी करता रहा, वह एकतरफा होता था। भारत का पक्ष उसमें रखा ही नहीं जाता था। मगर अब तस्वीर बदलेगी।

यह तस्वीर यूं ही नहीं बदली है, और न ही ऐसा पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम के कारण हुआ है। यह मूल रूप से भारत सरकार की कूटनीति का नतीजा है। इन दिनों खासतौर से खाड़ी के देशों के साथ भारत के रिश्ते काफी सुधरे हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुल्कों के हम काफी करीब आए हैं, जबकि उन्हें पाकिस्तान का खैरख्वाह माना जाता रहा है। इससे एक तरह से हमने पाकिस्तान के 'जोन' में प्रवेश पा लिया है। इस संगठन के कई सदस्यों के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं, लेकिन अब उनसे हमारे रिश्ते और सहज हो जाएंगे।

यह संगठन वैश्विक राजनीति पर भी काफी असरकारी है। इसके सभी सदस्य देश मिलकर फैसला लेते हैं और अच्छी बात यह है कि पूरा संगठन उस फैसले पर खड़ा रहता है। संयुक्त राष्ट्र में भी ये देश एक 'ब्लॉक' की तरह काम करते हैं और एक साथ वोट देते हैं। पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र परिषद का स्थाई सदस्य बनने के लिए हम प्रयास करते रहे हैं। अब तक चूंकि पाकिस्तान से प्रभावित होकर ये देश हमारे खिलाफ रहे हैं, लेकिन अब उम्मीद है कि यह परम्परा टूटेगी। आतंकवाद के खिलाफ भी यह संगठन हमारा साथ दे सकता है।

अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इस्लामी सहयोग संगठन हमारे लिए लाभकारी हो सकता है। इसके कई सदस्य देश भारत में निवेश बढ़ा सकते हैं। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, तुर्की जैसे देशों के साथ हमारे रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। हम इन देशों के साथ अपनी रक्षा तकनीक और प्रौद्योगिकी साझा कर सकते हैं। तुर्की, मिस्र जैसे देश भी भारत से फायदा ले सकते हैं।

बड़ी ताकतों की फटकार

पुलवामा आतंकवादी हमला भयावह है। पाकिस्तान अपनी धरती से आतंकवादी समूहों को खत्म करे।

- फ्रांस

पाकिस्तान अपनी जमीन से संचालन के लिए आतंकी संगठनों को कानूनी और भौतिक जगह उपलबध नहीं करा सकता।

- ऑस्ट्रेलिया

आतंकवाद और चरमपंथ जहां पनप रहा है, उन्हें खत्म करना ज़रूरी है।

- चीन

पाकिस्तान अपनी ज़मीन से गतिविधियां चलाने वाले आतंकी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे और किसी भी कीमत पर भारत के साथ तनाव औ और ज़्यादा बढ़ाने से बचे।

- अमेरिका

हैप्पी होम उच्च माध्यमिक विद्यालय

प्रतापनगर, उदयपुर फोन - 0294-2491411 (वि.), 2490130 (नि.)

कक्षा- XII तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण हेतु मान्यता प्राप्त

विशेषताएँ

- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विविध प्रशिक्षण व प्रतियोगिताएं
- समाज के सभी वर्ग के बालक-बालिकाएं श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण कर सकें, इस हेतु सामान्य फीस
- अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षक
- सभी विषयों की उच्च स्तरीय प्रयोगशालाएं
- कम्प्यूटर शिक्षा हेतु पर्याप्त कम्प्यूटर्स की व्यवस्था
- शिक्षण में श्रेष्ठ नवाचारों का प्रयोग

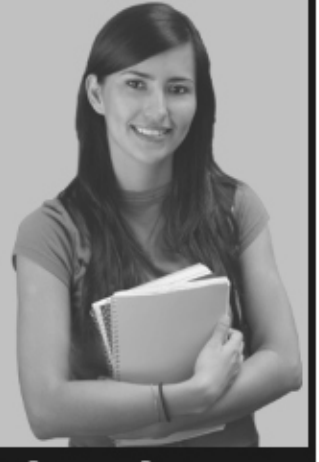

प्रवेश प्रारम्भ

व्यवस्थापक निदेशक
जगदीश अरोड़ा

शाखा- हैप्पी होम उच्च मा. वि., पुरोहितों की मादड़ी, उदयपुर
उदयपुर फोन नं. 2491383

वासंती नवरात्रा में दुर्गा उपासना

- पं. मुकेश शास्त्री

नवरात्र मां दुर्गा के प्रति आस्था और विश्वास का व्रत है। यह पर्व इस बार 6 अप्रेल से प्रारम्भ हो रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में आने वाले नवरात्रा को 'वासंती नवरात्र' भी कहा जाता है। नवरात्रा के नौ दिनों में माता के नौ रुपों की पूजा का विशेष विधान है। इन दिनों में जप-पाठ, व्रत-अनुष्ठान, यज्ञ-दानादि शुभ कार्य करने से व्यक्ति को पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इन नौ दिनों में जो लोग नियमित रूप से पूजा पाठ और व्रत का पालन करते हैं, माँ दुर्गा की कृपा से उन्हें सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। इस समय में सभी संकटों को हरने वाली माँ ना सिर्फ निरोगी काया, बल्कि धन-धान्य में वृद्धि एवं पारिवारिक शान्ति भी प्रदान करती हैं।

नवरात्रि के पहले दिन (प्रतिपदा तिथि) प्रातः जल्दी उठकर स्नान एवं नित्यकर्म से निवृत्त हो कर अपने पूजा स्थान पर सबसे पहले घट स्थापना करें। गाय के गोबर से पूजा स्थल का लेपन करें या गंगाजल मिले पानी से पूजा घर की साफ-सफाई करें। बाद में पूर्वाभिमुख होकर किसी गर्म आसन पर बैठ कर घट स्थापना के लिए पवित्र मिट्टी से वेदी का निर्माण करें, फिर उसमें जौ सहित अन्य सात प्रकार के अनाज मिलाकर बोयें। उसी वेदी के मध्य सोने, चाँदी, ताँबे या मिट्टी के कलश को विधिपूर्वक स्थापित कर दें। इस कलश के नीचे सात प्रकार के अनाज रखें। ज्वारा बोएं कलश को भगवान श्री गणेश का प्रतिरुप माना गया है। इसलिये सबसे पहले कलश का पूजन करें। में रूप से जल एवं गंगाजल भर दें और एक सुपारी, कुछ सिक्के, दूब, हल्दी की एक गांठ उसमें डाल दें। कलश के मुख पर एक नारियल को लाल वस्त्र से लपेट कर रख दें।

नारियल की स्थापना सदैव इस प्रकार करनी चाहिए कि उसका मुख साधक की तरफ रहे। ध्यान रहे कि नारियल का मुख उस सिरे पर होता है, जिस तरफ से वह पेड़ की टहनी से जुड़ा होता है। कलश के चारों तरफ पंच पल्लव अर्थात अशोक वृक्ष या आम के पाँच पत्ते लगा दें। एक चौकी या बजोट पर लाल वस्त्र पर चावल यानि अक्षत से अष्टदल बनाकर उस पर माँ दुर्गा की, या अपनी कुलदेवी की तस्वीर को स्थापित करें। देवी प्रतिमा स्थापित करके उनके दोनों तरफ यानी दायीं ओर देवी महालक्ष्मी, गणेश और विजया नामक योगिनी की प्रतिमा को स्थापित करें ओर बायीं ओर कार्तिकेय, देवी महासरस्वती और जया नामक योगिनी की प्रतिमा की स्थापना करें। घट स्थापना के साथ अखंड दीपक की स्थापना भी की जाती है। पूजा के समय घी का दीपक जलाएं तथा उसको गंध, चावल व फूल से पूजा करें। देवी पूजा का संकल्प कर सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें। उसके बाद श्री वरूण देव, षोडशमातृका, नवग्रह, श्री विष्णु, श्री राम, हनुमानजी, पितृ देवताओं व प्रधान कलश देवता की पूजा करें। चूंकि भगवान शंकर की पूजा के बिना कोई भी पूजा पूर्ण नहीं होती, अतः भगवान भोलेनाथ की भी पूजा करें। उसके बाद देवी का आह्वान करें। माँ दुर्गा की पंचोपचार, षोडश उपचार पूजा करें। उनका आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, गन्ध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, नीराजन, पुष्पांजलि, नमस्कार और प्रार्थना आदि उपचारों से पूजन करें। देवी को कनेर और सुगन्धित फूल प्रिय हैं। इसलिये पूजा के लिये इन्हीं फूलों का प्रयोग करें। पूजन के पश्चात माँ दुर्गा की अपने परिवार सहित आरती करें, पुष्पांजलि के लिए हाथ में पुष्प लेकर माँ का स्मरण करें।

ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।
ॐ जयन्ती मङ्गलाकाली भद्रकाली।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
या देवी सर्वभूतेषु शांतिरूपेण संस्थिता
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

इन मंत्रों के उच्चारण के साथ पुष्पों को माता रानी को अर्पण कर दें और पूजा में हुई किसी भी गलती के लिए क्षमा याचना करें और उनसे शुभ आशीर्वाद प्राप्त करें। पूरे नौ दिन तक माँ दुर्गा की साधना करें। प्रतिदिन श्री दुर्गा सप्तशती का पूर्ण पाठ करने

से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। संध्याकाल में माता रानी को भोग लगा कर आरती करें। नवरात्र ही शक्ति पूजा का समय है, इसलिए नवरात्र में इन शक्तियों की पूजा करनी चाहिए। इस तरह पूजन करने से माँ भगवती अति प्रसन्न होती हैं और भक्तों की हर मुराद पूरी करती हैं। नवरात्र में विधि विधान से माँ का पूजन करने से कार्य सिद्ध होते हैं और चित्त को शांति मिलती है। नवरात्र में माँ दुर्गा के साथ-साथ भगवान श्रीराम व हनुमान की आराधना भी फलदायी है। सुन्दरकाण्ड, रामचरित मानस और अखण्ड रामायण पाठ से साधक को लाभ होता है। शत्रु बाधा दूर होती है। मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। नवरात्रों का व्रत करने वाले उपासक को दिन में केवल एक बार सात्विक भोजन करना चाहिए। मांस, मदिरा का त्याग करना चाहिए। नवरात्रों में बाल कटवाना, नाखून काटना आदि कार्य नहीं करने चाहिए। ब्रह्मचर्य का पूर्णत: पालन करना चाहिए।

नवरात्र के दिनों में प्रतिदिन नैवेद्य, चना, हलवा, खीर आदि से भोग लगाकर कन्या तथा छोटे बच्चों को भोजन कराना चाहिए। नवरात्रि के दौरान कुमारी कन्याओं को भोजन कराने की भी परम्परा है। धर्म ग्रंथों के अनुसार तीन वर्ष से लेकर नौ वर्ष की कन्याएं साक्षात माता का स्वरूप मानी जाती हैं। नवरात्रों में माता के नौ रूपों की पूजा की जाती है, जो इस प्रकार हैं - प्रथम-शैलपुत्री, दूसरी ब्रह्मचारिणी, तीसरी-चन्द्रघंटा, चौथी कुष्मांडा, पांचवी-स्कंधमाता, छठी-कात्यायिनी, सातवीं-कालरात्री, आठवीं-महागौरी, नवमीं-सिद्धिदात्री। नवरात्रा के पहले दिन माता के शैलपुत्री रुप की पूजा की जाती है। जैसा कि सर्वविदित है, माता शैलपुत्री, हिमालय राज की पुत्री हैं, जिन्हें देवी पार्वती के नाम से भी जाना जाता है।

माता रानी को यूं करें प्रसन्न

- प्रथम नवरात्रि के दिन मां के चरणों में गाय का शुद्ध घी अर्पित करने से आरोग्य का आशीर्वाद मिलता है। तथा शरीर निरोगी रहता है।
- दूसरे दिन मां को शक्कर का भोग लगाएं व घर में सभी सदस्यों को दें। इससे आयु वृद्धि होती है।
- तृतीय नवरात्रि के दिन दूध या दूध से बनी मिठाई अथवा खीर का भोग माँ को लगाकर ब्राह्मण को दान करें। इससे दुखों की मुक्ति होकर परम आनंद की प्राप्ति होती है।
- मां दुर्गा को चौथे दिन मालपुए का भोग लगाएं और मंदिर के पुजारी को दान दें। जिससे बुद्धि का विकास होने के साथ-साथ निर्णय शक्ति बढ़ती है।
- पांचवें दिन मां को केले का नेवैद्य चढ़ाने से शरीर स्वस्थ रहता है।
- छठवीं नवरात्रि के दिन मां को शहद का भोग लगाएं। जिससे आपके आकर्षण में वृद्धि होगी।
- सातवें नवरात्रि पर मां को गुड़ का नैवेद्य चढ़ाने व उसे ब्राह्मण को दान करने से शोक से मुक्ति मिलती है एवं आकस्मिक संकटों से रक्षा होती है।
- आठवें दिन माता रानी को नारियल का भोग लगाएं व नारियल का दान कर दें। इससे संतान संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।
- नवरात्रि की नवमी को तिल का भोग लगाकर ब्राह्मण को दान दें। इससे मृत्यु भय दूर होने के साथ दुर्घटनाओं से बचाव भी होता है।

मो. : - 9309359728 फोन :- 0294-2424423

जय जगदीश

किराणा स्टोर

लौंगी मिर्च, तेजा मिर्च, फटकी मिर्च, फाड़ा मिर्च,
लाल मिर्च, हल्दी, धनिया, बेसन, पिसी शक्कर व सभी
प्रकार के गरम मसाले, तेल घी के थोक व रिटेल विक्रेता

नोट :- हमारे यहां सभी साबूत मिर्च-मसाले हाथों-हाथ पिसे जाते हैं।

12, शिवमार्ग, तेलीवाड़ा, उदयपुर (राज.)

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

HANSA PALACE
UDAIPUR
HANSA PALACE
GROUP
Estd. 1985

Alter Your Life Style

With Best Compliments
(FOUNDER - KANHAIYA LAL TAK)

HANSA PALACE ART FURNITURES PVT. LTD.

7, Sec-4, Hiran Magri,Udaipur, Rajasthan India 313001
Tel : 91-294-2462-101 / 102 | Mobile: 9829041344
Email: hansapalace@gmail.com | Web: www.hansapalace.com

स्वाइन फ्लू

डरें नहीं, बस! उपचार में न हो देरी

- स्वाति गौड़

स्वाइन फ्लू से सब ओर खौफ़ है। उत्तरी भारत में कड़ाके की ठंड के बीच तापमान के चढ़ते-उतरते तेवर ने तो गजब ही ढहा दिया। जयपुर, उदयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों में भी 'स्वाइन फ्लू' के रोगियों की अस्पतालों में आमद तेज रही तो अनेक लोगों को असमय ही मौत की आगोश में जाना पड़ा। दिल्ली में भी इसका डरावना चेहरा सामने आया। पंजाब के हाल भी बुरे ही रहे। हालांकि इस रोग से खौफ़ज़दा होने की ज़रूरत नहीं है, ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि शरीर में इसके लक्षणों का अहसास होते ही जल्दी से जल्दी इसका उपचार करा लिया जाए। यही इस जानलेवा बीमारी से बचने का तरीका है। अब मौसम बदल रहा है, बावजूद इसके हमारी सावधानी में कमी नहीं होनी चाहिए।

यह सांस संबंधी एक ऐसी बीमारी है, जो संक्रमण के जरिए फैलती है और सामान्यत: सूअरों में पायी जाती है। पश्चिमी देशों से फैली यह बीमारी आज बदलते मौसम के साथ दुनिया भर के कई देशों में तेजी से फैल रही है। इस रोग का वाहक टाइप 'ए' इन्फ्लूएंजा वायरस एच1एन1 है, जिसकी खोज सबसे पहले सन् 1930 में की गयी थी। दरअसल, यह वायरस हवा के जरिये वातावरण में फैलता है, जिसके शुरुआती लक्षण सामान्य बुखार के रूप में सामने आते हैं। किसी ठोस स्थान पर एच1एन1 वायरस 24 घंटे तक जीवित रह सकता है, जबकि किसी तरल स्थान पर यह केवल 20 मिनट तक जीवित रहता है।

कैसे फैलता है

स्वाइन फ्लू वायरस विभिन्न जानवरों और पक्षियों में प्रविष्ट होकर उन्हें संक्रमित कर देता है। इंसान के शरीर में यह वायरस बहुत कम देखा जाता है। मनुष्यों में एच1एन1 वायरस सूअर के अधिक संपर्क में रहने की वजह से होता है। इसके अलावा अगर सूअर के मांस को ठीक से पकाकर न खाया जाए तो भी यह वायरस फैलता है। एच1एन1 के अलावा इस वायरस के खोजे गए अन्य प्रतिरूपों में एच1एन2, एच3एन2 और एच3एन1 आदि शामिल हैं।

यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि पक्षी इन्फ्लूएंजा, मानव इन्फ्लूएंजा और सूअर इन्फ्लूएंजा यह तीन प्रकार के इन्फ्लूएंजा आपस में मिलकर बार-बार अलग-अलग ढंग से प्रकट होते हैं। इस विषाणु के कारण सूअरों में सर्दी, छींक, नाक एवं आंख से पानी बहने जैसे लक्षण पैदा होते हैं। इसलिए संक्रमित सूअर के संपर्क में रहने वाले व्यक्ति जब इस वायरस की चपेट में आ जाते हैं तो उनके छींकने या खांसने से उनके आस-पास के लोगों को भी यह वायरस अपना शिकार बना लेता है। संक्रमित व्यक्ति द्वारा दरवाजे, फोन, की-बोर्ड, रिमोट कंट्रोल जैसे रोजाना के इस्तेमाल में आने वाली आम चीजों से भी यह वायरस तेजी से फैल सकता है। वर्ष 2009 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे पैन्डेमिक(महामारी) करार दे दिया था। बावजूद इसके चिकित्सकों का कहना है कि अगर समय रहते स्वाइन फ्लू के लक्षणों की पहचान कर ली जाए और कुछ जरूरी टेस्ट करवाने के साथ तुरंत इलाज की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए तो इसकी गंभीर स्थिति से निपटा जा सकता है। पहले से ही किसी बीमारी से लंबे समय से ग्रस्त व्यक्ति या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है और गर्भवती महिलाओं को स्वाइन फ्लू की चपेट में आने की आशंका ज्यादा रहती है।

कैसा हो खान-पान

बुखार के दौरान रोगी को घर का ताजा बना खाना ही खिलाएं। ताजे फल व हरी पत्तेदार सब्जियां अधिक लें। पतली दाल खाएं। तरल पदार्थों में दूध, चाय, फलों का जूस, छाछ, लस्सी का सेवन करें।

अन्य बुखार से कैसे है अलग

स्वाइन फ्लू के लक्षण दूसरे बुखार की तरह ही होते हैं, पर अगर बुखार ठीक होने में ज्यादा समय लग रहा है तो डॉक्टर से मिलें। वायरल फीवर में कभी-कभी सूखी खांसी हो जाती है, लेकिन स्वाइन फ्लू में होने वाली खांसी में बलगम बहुत आता है, जिसमें कभी-कभी खून भी आ जाता है। वायरल फीवर की तुलना में स्वाइन फ्लू में दर्द निवारक दवाओं से शरीर के दर्द से राहत नहीं मिलती। कंपकपाहट के साथ-साथ तेज ठंड लगती है। स्वाइन फ्लू में सांस लेने में बहुत परेशानी होती है और रक्तचाप भी लगातार कम होने लगता है।

स्वाइन फ्लू के लक्षण

प्रथम स्तर

शुरुआत में स्वाइन फ्लू के सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, सर्दी, गले में खराश, शरीर के विभिन्न अंगों एवं मांसपेशियों में दर्द के साथ थकान की शिकायत रहती है। 50 से 60 फीसदी लोगों में शुरुआती स्तर पर यही लक्षण दिखाई देते हैं, जिनके पता लगते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

मध्यम स्तर

जो लोग सांस संबंधी रोगों से पहले ही ग्रस्त हैं, उनके लिए मध्यम स्तर पर दिखाई देने वाले लक्षण गंभीर हो सकते हैं। इस स्तर पर व्यक्ति को बहुत ज्यादा थकान लगती है तथा जरूरत से ज्यादा ठंड भी लगती है। सीओपीडी, फेफड़ों के रोग और सांस संबंधी अन्य रोगों के चलते जब यह वायरस व्यक्ति के शरीर में पहुंचता है तो रोगी की परेशानी पहले की अपेक्षा बढ़ जाती है। इस श्रेणी में 25-30 फीसदी रोगी इलाज के लिए डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं।

गंभीर स्तर

इस स्तर पर स्वाइन फ्लू से ग्रस्त व्यक्ति के रक्त में ऑक्सीजन का स्तर तेजी से गिरने लगता है। प्रथम स्तर के लक्षणों के अलावा इस स्थिति में रोगी को बार-बार उल्टियां आती हैं व दस्त भी लग जाते हैं। श्वसन की दिक्कत के साथ रोगी को एआरडीएस, एक्यूट लिवर इंजरी हो सकती हैं। करीब 5 फीसदी रोगी अस्पताल में इस स्तर पर इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमें से कुछ को वेंटिलेटर पर भी रखा जाता है।

Kailash Agarwal
9414159130

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

Pankaj Agarwal
9414621211

YUVRAJ PAPERS

Yuvraj Papers

design | paper | print

11-A, Indira Bazar, Nada Khada, Near Bapu Bazar,
Udaipur - 313001 Phone :- + 91-294-2418586

email : info@yuvrajpapers.com

With Best Compliments From

1. **J.R.BHANDARI & CO.**
   (Dealer: Indian Oil Corporation Ltd.)
   Branch: Bhilwara(Raj.) , Dungarpur(Raj.)

2. **J.R.BHANDARI & SONS**
   (Distributor: Esab India Ltd.)

3. **RATTANPUR INDIAN OIL FILLING STATION**
   Dealer: (Petrol Pump)
   Indian Oil Corporation Ltd.)

4. **RISHABDEV FILLING STATION**
   (Dealer (Petrol Pump):
   Bharat Petroleum Corporation Ltd.)

5. **NIMBAHERA FUELS**
   Dealer: (Petrol Pump)
   Indian Oil Corporation Ltd.)

6. **SOLUTION & SERVICES**
   (Cement Plant Maintenance & Fabricators)

Registered Office: M/S J.R.BHANDARI & COMAPANY

Out Side Hathipole, UDAIPUR(RAJ.)

उदयपुर का एक मात्र शोरूम जहां सभी ज्वैलरी 91.6 भारत सरकार द्वारा प्रमाणित

सन्दल ज्वैलर्स

Sandal Jewellers

SENCOG-O-D In Association with World Gold Council

INTERNATIONAL GEMOLOGICAL INSTITUTE

High Standard Quality Diamond Jewellery
Cleary vvs, vs Colour is EF, FG
Gold Diamod and Platinum & Silver

Silver Ornaments 92.5% Available Export Quality

Diamond Jewellery Certified by IGA & DGLA Wehave another Diamond Shapes Jewellery, like Markise, Princes, Bugget, Tappers, Uncut Diamond (Polki)

677-678, चेतक मार्ग, उदयपुर

Ph. : 0294-2425712, 2423533, 77377 92247, 92514 64707
mehrajkhan25@gmail.com I www.sandaljewellers.com

Branch Office : 62-Moti Chohatta, Clock Tower, Udaipur Ph.: 0294-2421012

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबु जो आपके जीवन में लायें खुशहाली

250 Products Available

CHETAK HORSE

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana® Agarbatti

Since 1947

Registered office :
ARCHANA AGARBATTI NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन अलंकरण समारोह

डॉ पाल को जेम्स टॉड व स्वाति को हल्दीघाटी सम्मान

37th
MMFAA
2019

-प्रत्यूष संवाददाता

उदयपुर। सिटी पैलेस के माणक चौक में 10 मार्च को महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन का वार्षिक अलंकरण समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

अरावली पहाड़ियों से चांदी व जस्ते के प्रारंभिक उत्पादन सहित मेवाड़ के महाराणाओं के समय जावर खदानों में जस्ता गलाने वाली भट्टियों की प्रक्रिया को विश्व स्तर पर सम्मान दिलाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण डॉ. पॉल टी. क्रैडॉक को प्रदान किया गया। स्वतंत्र व खोजी पत्रकार तथा लेखिका स्वाति चतुर्वेदी को हल्दीघाटी अलंकरण एवं ख्यात पार्श्वगायक सुरेश वाडकर को 17 से अधिक भाषाओं में गीत गाकर देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए हकीम खां सूर अलंकरण प्रदान किया गया। पर्यावरण संरक्षण-संवर्द्धन क्षेत्र में की गई स्थाई मूल्यों की सेवाओं के लिए 'महाराणा उदयसिंह अलंकरण' नई दिल्ली की गीता शेषमणि व कार्तिक सत्यनारायण को प्रदान किया गया। इसी तरह त्रिपुरा के सपन देबवर्मा और उनकी 9 वर्षीय पुत्री सुमा देबवर्मा को जून 2018 में त्रिपुरा में हुई भयंकर वर्षा के कारण रेलवे ट्रेक के नीचे मिट्टी कटाव के बाद हजारों रेल यात्रियों की जान बचाने के लिए पन्नाधाय अलंकरण प्रदान किया गया। राज्य के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना मकबरा(कोटा) को उत्कृष्ट कार्यों के लिए महाराणा मेवाड़ विशिष्ट सम्मान, हनुमानगढ़ के अन्तरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक संदीप सिंह मान को अरावली सम्मान, आदिवासी समाज उत्थान के लिए राणा पूंजा सम्मान झाड़ोल के जालम चन्द अंगारी को प्रदान किया गया। संगीत क्षेत्र का डागर घराना सम्मान ख्यात रूद्रवीणा वादक उस्ताद बहुद्दीन डागर को प्रदान किया गया। ललित कला क्षेत्र में महाराणा सज्जन सिंह सम्मान राजसमंद में मोलेला के मृण शिल्प कलाकार जमनालाल कुम्हार को प्रदान किया गया। भारतीय संस्कृति, साहित्य व इतिहास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'महाराणा कुम्भा सम्मान' डॉ. गिरीश नाथ माथुर एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय' को दिया गया।

खोजी पत्रकार एवं लेखिका स्वाति चतुर्वेदी को हल्दीघाटी अलंकरण प्रदान करते हुए श्री अरविंद सिंह मेवाड़, डॉ. कस्तूरी रंगन एवं श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़।

राज्यस्तरीय अन्य अलंकरणों में ज्योतिष, वेद विज्ञान एवं कर्मकाण्ड में श्रेष्ठ योगदान के लिये डॉ. हेमन्त कृष्ण मिश्र एवं डॉ. नरोत्तम पुजारी को 'महर्षि हारित राशि सम्मान' तथा लखनऊ की मालिनी अवस्थी को अवध, बृज, बुंदेलखण्ड और भोजपुर की लोककला के संरक्षण के लिए 'महाराणा मेवाड़ सम्मान' मिला। इस मौके पर 18 विद्यार्थियो को भामाशाह, 8 विद्यार्थियों को महराणा राजसिंह सम्मान तथा 80 विद्यार्थियो को महाराणा फतहसिंह सम्मान दिया गया। समारोह के दौरान महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. महाराणा भगवत सिंह, पुलवामा के आतंकी हमले के शहीदों, अस्थल आश्रम के महंत मुरली मनोहर शरण शास्त्री व बाल कवि बैरागी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

अद्रिका व कार्तिक का अभिनंदन

मुरैना की 10 वर्षीया अद्रिका और 14 वर्षीय भाई कार्तिक गोयल को जब महाराणा फतह सिंह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया, तब उपस्थित सभी अतिथियों ने खड़े होकर उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि दोनों भाई-बहन ने दंगों के दौरान छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में फंसे कई यात्रियों को भोजन-पानी सहित दवा और प्राथमिक चिकित्सा दिलवाने में भी मदद की। समारोह की अध्यक्षता इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कस्तूरी रंगन ने की। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के अध्यक्ष व प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ तथा न्यासी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने विद्वानों को अलंकरण प्रदान किए।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के नाम

जरूरतमंदों के लिए जुटाए 3 लाख से अधिक वस्त्र

उदयपुर। सोशल मीडिया पर चर्चा में सामने आए आइडिया पर शुरू किए गए 'वस्त्रदान' अभियान से 120 से अधिक स्कूलों, 15 कॉलेजों व 30 एनजीओ जुड़े और अब तक करीब 76,000 दानदाताओं से 3,29,250 कपड़े एकत्रित किए गए। अभियान में बने विश्व रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट गिनीज बुक, लंदन से आए प्रतिनिधि ऋषिनाथ ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को प्रदान किया।

उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के लक्ष्यराज सिंह ने बताया कि दोस्तों में जरूरतमंदों के लिए रोटी, कपड़ा और मकान पर चर्चा हुई, जिनमें से वस्त्र एकत्रीकरण को चुना गया। सभी से गरीबों के लिए कपड़े लेने का काम शुरू हुआ। करीब चार माह में लोगों की मदद से वह काम हो गया, जो कल्पना से परे था। अभियान के लिए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। उन्होंने इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को मानवीय हृदय की खूबसूरती, भाईचारे की भावना और उदयपुर के सभी नागरिकों के गहरे जुड़ाव को समर्पित किया है।

पूर्व में था दुबई का नाम

इस श्रेणी का पिछला विश्व रिकॉर्ड दुबई के पास था, जहां वर्ष 2016 में नागरिकों ने 2,95,122 कपड़ों का दान किया था। मेवाड़ के इस अभियान में ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, ओमान, श्रीलंका एवं यूएई सहित करीब 12 देशों से भी कपड़े दान में लिए गए।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com
www.aadharproducts.in

अखंड सुहाग की कामना का पर्व गणगौर

राजस्थान में गणगौर का त्योहार चैत्र शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है। होली के दूसरे दिन, चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से जो नवविवाहिताएं गणगौर पूजती हैं, वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं और दूसरे दिन सायंकाल के समय उनका विसर्जन कर देती हैं। यह व्रत कुमारियों को उत्तम वर देने वाला और सुहागिनों का सुहाग अखंड रखता है।

– रेणु शर्मा

नवरात्र के तीसरे दिन यानि की चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तीज को गणगौर माता की पूजा की जाती है। पार्वती के अवतार के रूप में गणगौर माता व भगवान शंकर के अवतार के रूप में ईशर जी की पूजा की जाती है। प्राचीन समय में पार्वती ने शंकर भगवान को पति रूप में पाने के लिए व्रत और तपस्या की। शंकर भगवान तपस्या से प्रसन्न हो गए और वरदान मांगन के लिए कहा। पार्वती ने उन्हें ही वर के रूप में पाने की अभिलाषा की। पार्वती की मनोकामनाएं पूरी हुई और पार्वती जी का शिवजी से विवाह हुआ। तभी से कुंवारी लड़कियां इच्छित वर पाने के लिए ईशर और गणगौर की पूजा करती हैं। सुहागिन स्त्री पति की लम्बी आयु के लिए यह पूजा करती हैं।

यूं करें व्रत

गणगौर पर्व विशेष तौर पर केवल स्त्रियों के लिए होता है। इस दिन भगवान शिव ने पार्वतीजी को तथा पार्वतीजी ने समस्त स्त्री समाज को सौभाग्य का वरदान दिया था। इस दिन सुहागिनें दोपहर तक व्रत रखती हैं।

- व्रती को एक समय भोजन करना चाहिए।
- जवारों को ही देवी गौरी और शिव या ईसर का रूप माना जाता है।
- जब तक गौरी का विसर्जन नहीं हो जाता तब तक विधि-विधान से पूजा कर उन्हें भोग लगाते रहना चाहिए।
- गौरी की स्थापना पर सुहाग की वस्तुएं जैसे- कांच की चूड़ियां, सिंदूर, महावर, मेहंदी टीका, बिंदी, कंघी, शीशा, काजल उन्हें अर्पित करें।
- सुहाग की सामग्री चंदन, अक्षत, धूप-दीप नैवेद्यादि से विधिपूर्वक पूजन कर उन्हें भी गौरी को अर्पण किया जाता है।
- इसके पश्चात् गौरी को भोग लगाया जाता है।
- भोग के बाद गौरी की कथा कही-सुनी जाती है।
- कुंआरी कन्याएं गौरी को प्रणाम कर आशीर्वाद लेती हैं।
- शाम को गाजे-बाजे से शोभायात्रा के रूप में गौरी-शिव को नदी, तालाब या सरोवर पर ले जाकर विसर्जित किया जाता है।
- इसी दिन शाम को उपवास भी छोड़ा जाता है। जयपुर, उदयपुर सहित अनेक शहरों में पर्यटन विभाग की ओर से विशेष आयोजन किए जाते हैं। धूमधाम से ईशर, गणगौर की शोभायात्रा निकाली जाती है।

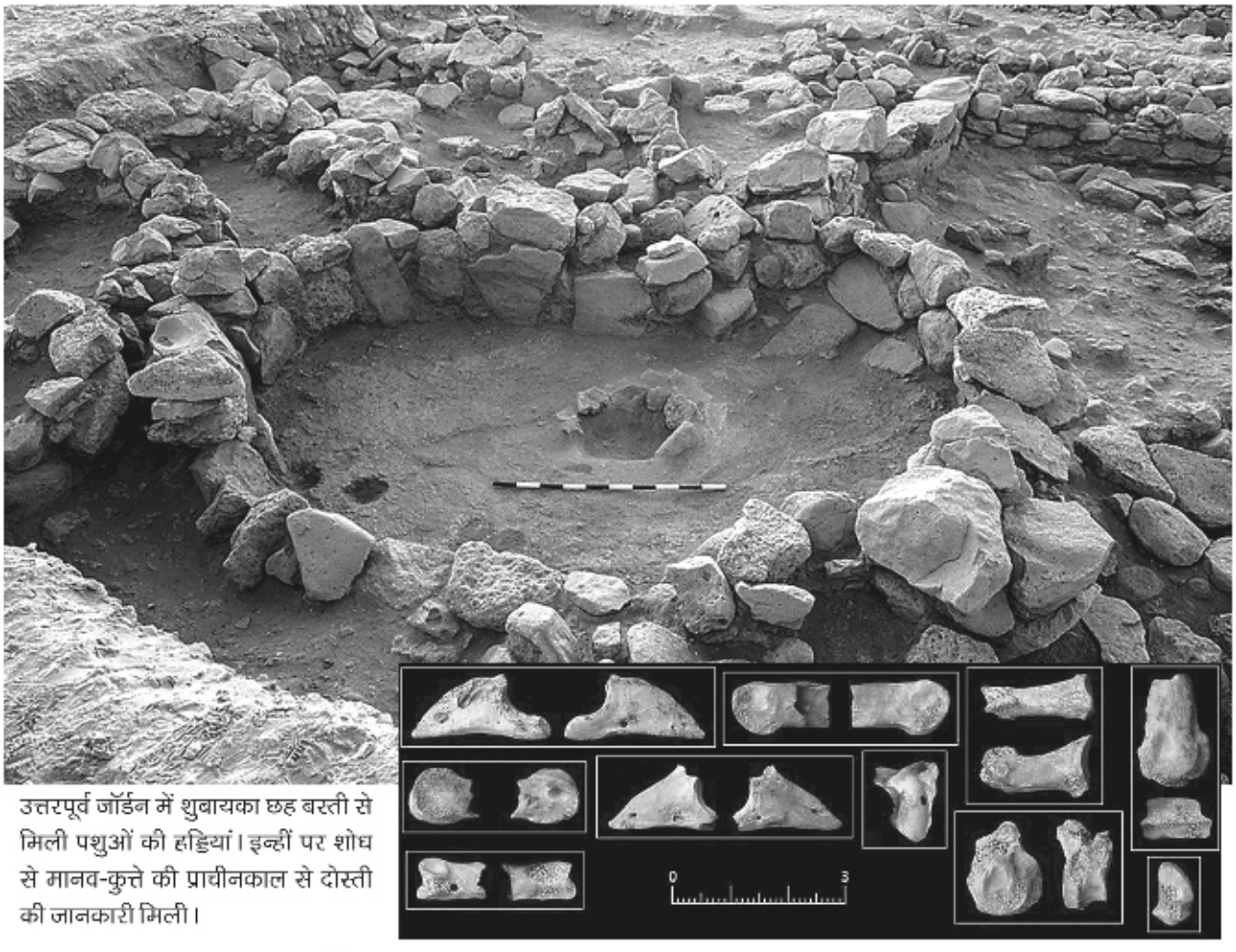

उत्तरपूर्व जॉर्डन में शुबायका छह बस्ती से मिली पशुओं की हड्डियां। इन्हीं पर शोध से मानव-कुत्ते की प्राचीनकाल से दोस्ती की जानकारी मिली।

हज़ारों साल पुरानी कुत्ते से दोस्ती

- विदेश के दो विश्वविद्यालयों में हुए साझा अध्ययन का नतीजा
- जर्नल ऑफ एंथोपोलॉजिकल आर्कियोलॉजी में प्रकाशन

– रक्षा नागदा

इन्सान की जान जब खतरे में पड़ती है तो उसका पालतू कुत्ता उसे बचाने के लिए अपनी जान पर भी खेल जाता है। इनसान का अपने सबसे वफादर दोस्त कुत्ते से रिश्ता बरसों पुराना है एक अध्ययन के मुताबिक लोगों ने तकरीबन 11500 साल पहले से ही कुत्तों के साथ रहना शुरू किया था और कुत्ते की सूंघने की जबरदस्त क्षमता को पहचान कर उसके साथ शिकार करना भी शुरू कर दिया था। डेनमार्क में यूनिवर्सिटी ऑफ कॉपेनहेगन और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने बताया कि मनुष्य ने उत्तर पूर्व जॉर्डन में 14,000 साल पहले कुत्ते पालना शुरू किया था लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा दुर्घटनावश हुआ या किसी खास उद्देश्य से।

जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल आर्कियोलॉजी में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चलता है कि मनुष्य बहुत पहले ही कुत्तों की सूंघने और शिकार करने की क्षमताओं को पहचान गया था। उत्तरपूर्व जॉर्डन में 11,500 साल पुरानी शुबायका छह बस्ती से मिली पशुओं की हड्डियों पर किए शोध से यह पता चलता है कि इस क्षेत्र में कुत्ते ना केवल नवपाषाण युग की शुरुआत से मौजूद थे बल्कि इनसान और कुत्ते एक साथ पशुओं का शिकार करना पसंद करते थे।

पाकिस्तान में अभिनंदन

... इन्हें भी याद आई अपनी कहानी

- अशोक तम्बोली

विंग कमांडर अभिनन्दन वर्धमान जब पाकिस्तानी एफ-16 को भारतीय सीमा में मार गिराने के बाद अपने जलते हुए विमान(मिग-21 बाइसन) से पैराशूट लेकर कूदे तो हवा का रुख उन्हें पाकिस्तान के कब्जे वाले(पीओके) कश्मीर की ओर ले चला। जहां उन्हें पाक सैनिकों ने गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की लेकिन अभिनन्दन ने सिवाय अपने नाम, शहर और ओहदे के अलावा कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। इन्हीं क्षणों में आईएफ(भारतीय वायु सेना) के सेवानिवृत्त जांबाजों को भी अपने वे दिन याद आए जब ऐसी ही वीरता का कारनामा करते हुए पाकिस्तानी फौज की हिरासत में कई दिन, महीने और साल उन्होंने बिताए और अन्ततः पाकिस्तान को उन्हें भी रिहा करना पड़ा था। प्रस्तुत है उन्हीं के शब्दों में मौके का मंजर।

'....तो मार ही डालते'

साल 2017 में भारतीय वायुसेना से रिटायर हो चुके नचिकेता अब एक कमर्शियल पायलट हैं। कारगिल युद्ध के दौरान फ्लाइट लेफ्टिनेंट रहे नचिकेता मिग-27 में सवार थे। वह क्रैश होकर पाक अधिकृत कश्मीर में जा गिरे थे। वह पाकिस्तानी फौज पर हवा से फायर कर रहे थे, इसलिए जवानों ने जैसे ही उन्हें पकड़ा, उन्हें पीटना शुरू कर दिया। नचिकेता का कहना है कि उन्हें मार देने की कोशिश भी की गई। उनकी जान बचाई एक सीनियर पाकिस्तानी ऑफिसर ने। उन्होंने जवानों को समझाया और स्थिति को संभाला। नचिकेता का कहना है कि उन्हें काफी प्रताड़ित किया गया लेकिन सेना में उनकी ट्रेनिंग इतनी मजबूत हुई थी कि उन्होंने कुछ नहीं बोला।

'आपके सामने है बेस्ट पायलट'

एयर कमोडोर जे. एल. भार्गव कुछ दिन या महीने नहीं बल्कि पूरे एक साल पाकिस्तान की कैद में रहे थे। 1971 के युद्ध में पकड़े गए फ्लाइट लेफ्टिनेंट भार्गव का कहना है कि अगर पाकिस्तानी स्थानीय भीड़ ने विंग कमांडर अभिनंदन का फोटो शेयर नहीं किया होता तो यह साबित करना नामुमकिन हो जाता कि वह जिंदा पाकिस्तान में गिरे थे। वह याद करते हैं, वे सोने नहीं देते, जानकारी मांगते रहते हैं। हर सवाल पर ना कहना बेहद मुश्किल होता है। मुझे याद है जब वे मुझसे मेरी स्क्वॉड्रन के पायलट्स के बारे में पूछते थे तो मैं अपने भाई-बहनों के नाम बताता था। जब उन्होंने मुझसे पूछा कि मेरी स्क्वॉड्रन का बेस्ट पायलट कौन है, तो मैंने कहा कि वह आपके सामने बैठा है।

'सीधे पाक सेना के बीच गिरे'

एयर मार्शल के. सी. करियप्पा भी 1965 की जंग के बाद 4 महीने तक पाकिस्तानी सेना की कैद में थे। उन्होंने बताया कि उन्हें हमेशा एक अनजाना डर सताता रहता था। उन्हें कुछ बताया नहीं गया था कि जंग चल रही है या खत्म हो गई। उनके जहाज को जंग के आखिरी दिन गिराया गया था और वह सीधे पाक सेना के बीच गिरे थे। करियप्पा विंग कमांडर अभिनंदन के मामले में सोशल मीडिया की भूमिका से बेहद नाराज हैं। उनका कहना है, विंग कमांडर ने पाकिस्तानी सेना को कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। लेकिन नेटिजन्स ने सारी जानकारियां पब्लिक कर दीं। उन्होंने सोशल मीडिया को असंवेदनशील बताया और भगवान का शुक्रिया अदा किया कि उनके वक्त में सोशल मीडिया नहीं था क्योंकि इसका असर कैद में गए जवान के परिवार के लिए खतरनाक होता है।

ऐसे छिपाई पहचान

एयर कमोडोर भार्गव ने बताया कि पायलट्स को एक सर्वाइवर किट, एक पिस्तौल और कुछ पाकिस्तानी रुपये दिए जाते हैं। भार्गव 5 दिसम्बर, 1971 को मिग-24 9 में सवार थे, जिसे पाक ने गिरा दिया था। उन्होंने फौरन बाहर छलांग लगा दी थी। नीचे गिरने के बाद उन्होंने अपना सामान लिया, जी-सूट झाड़ियों में छिपाया और अपनी घड़ी पाकिस्तानी स्टैंडर्ड टाइम पर सेट की। वह 12 घंटे तक अपनी पहचान छिपाने में कामयाब रहे। स्थानीय लोगों से उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तानी एयरफोर्स के जवान हैं और उनका नाम मंसूर अली है। किसी को शक होने पर वह पाकिस्तानी रुपये दिखा देते थे।

'... जब कहा गया पढ़ो कलमा'

हालांकि एक स्कूल हेडमास्टर को उन पर शक हुआ। भार्गव बताते हैं, उसने मुझसे पूछा कि मैं कहां से हूं। मैंने रावलपिंडी कहा तो उन्होंने पूछा रावलपिंडी में कहां से? मैंने कहा मॉल रोड से। तो उन्होंने मुझसे कहा कि मैं भारतीय गांव में खड़ा हूं। मैंने उनसे मुझे वापस पाकिस्तान भेजने की गुजारिश की तो उन्होंने मान लिया कि मैं पाकिस्तानी हूं। हालांकि एक पाकिस्तानी रेंजर ने उनसे कलमा पढ़ने को कह दिया। जब वह नहीं पढ़ पाए तो उन्हें गिरफ्तार करके पाकिस्तानी सेना के हवाले कर दिया गया।

विरासत की भव्यता संजोते पशुमेले

■ मेड़ता सिटी में 6-19 अप्रेल तक लगने वाले बलदेव पशु मेला में नागौरी नस्ल के कद्दावर बैलों की सुनाई देगी धमक

■ उल्लास और उमंग के इस अविराम दृश्य को साकार करेगा देशभर से खरीद-फरोख्त के लिए उमड़ता धरती पुत्रों का ज्वार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था 'एक देश की महानता और नैतिक प्रगति को इस बात से आँका जा सकता है कि वहाँ जानवरों से कैसा व्यवहार किया जाता है।'

– मदन पटेल

पशुपालन की परम्परा से समृद्ध राजस्थान में पशु को परिवार के एक सदस्य के रूप में रखा जाता है, पर्वों पर उनका तिलक कर आरती उतारी जाती है, उनकी परिक्रमा की जाती है, मेलों और त्योहारों पर बड़े ही चाव से उनके गले अथवा पैरों में आभूषण पहनाए जाते हैं। पशु किसान का धन है और पशु मेलों में अपने इस गर्व का प्रदर्शन उनके जीवन की आशाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक भी!

उत्साह एवं उमंग का वातावरण रचते राजस्थान के प्रत्येक अंचल में आयोजित होने वाले इन पशु मेलों की अपनी अलग ही सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्ता है। लोक देवता के नाम पर या धार्मिक उत्सवों अथवा पर्वों के अवसर पर आयोजित होने वाले इन पशु मेलों में जहां एक ओर भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है, वहीं आपसी सद्भाव और भाईचारा कायम करने की दिशा में ये अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राजस्थान की पशु संपदा अतुलनीय है और आंकड़े भी इस गर्व की पुष्टि करते हैं। देश भर में ऊँटों और बकरियों की संख्या के लिहाज से राजस्थान का स्थान देश में सिरमौर है, भारत की कुल पशु सम्पदा में 11.27 प्रतिशत भागीदारी के साथ राजस्थान राज्य दूसरे स्थान पर है।

गौरवमयी संस्कृति के साक्षी राजस्थान के पशु मेले जहाँ भारतीय संस्कृति का एक सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हैं वहीं पर्यटन और पशुपालन के लिए भी अति महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। पशुपालकों को पशुधन का उचित मूल्य दिलवाने की दृष्टि से विश्वविख्यात राज्य स्तरीय पशु मेलों के अलावा लगभग 250 पशु मेले प्रतिवर्ष राजस्थान में लगते हैं, जहाँ मेले के अन्य आकर्षणों के साथ ही हजारों की संख्या में जानवरों की खरीद-फरोख्त होती है। ये पशु मेले बेहतर पशु विपणन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण शिक्षा एवं विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सचमुच उल्लास और उमंग का अविराम दृश्य रचते ये पशु मेले हमारी विरासत की भव्यता को बखूबी संजोते हैं।

अतीत काल से ही नागौर जिला नागौरी नस्ल के गौवंश के कारण विश्वविख्यात रहा है। संत मीरा बाई के कारण नागौर के मेड़ता सिटी का ऐतिहासिक महत्व है। इस नगर में मध्यकालीन युग में कृष्ण की अनन्य भक्त मीराबाई ने जन्म लिया। आज भी नगर के बीचों-बीच स्थित मीराबाई के आराध्य देव श्री चारभुजाजी का मंदिर मीराबाई की चिरस्मृति बनाए हुए है।

नागौर जिले में प्रतिवर्ष तीन राज्य स्तरीय पशु मेलों का आयोजन किया जाता है। लोकप्रिय किसान नेता बलदेव राम मिर्धा की स्मृति में श्री बलदेव पशु मेला इस वर्ष चैत्र शुक्ल एकम् से चैत्र शुक्ल पूर्णिमा (6 से 19 अप्रेल) तक आयोजित किया जाएगा। इस मेले का प्रमुख आकर्षण भी अपने दम-खम के लिए विख्यात नागौरी नस्ल के बैल ही हैं, जिनकी लोकप्रियता के कारण राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा पंजाब आदि प्रान्तों से पशुपालक एवं व्यापारी पशुओं की खरीद-फरोख्त के लिए यहां आते हैं। इससे पूर्व नागौर के मानासा में बाबा रामदेव पशु मेला 5 से 19 फरवरी तक लगा था। लोकदेवता वीर तेजाजी की स्मृति में नागौर जिले के ही परबतसर में 15 से 30 अगस्त तक एक और वृहद पशु मेला लगेगा। जिसकी तैयारियां आरंभ हो चुकी हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताएं और उनके बड़े पुरस्कार पशुपालकों और पशुओं का उत्साह बढ़ाते हैं, पशुपालकों के बीच अपने पशु को सुंदर सजाने की होड़ लग जाती है, कोई अपने बैल के आगे के पैरों में कंगना और पीछे के पैरों में पायल डालता है तो कोई बड़ा सा हार अपने प्यारे बैल के गले में पहना कर उसकी बलाइयां लेता है। इस मेले को देखने के लिए देशी-विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में जुटते हैं।

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं
GRACE
Grace Marble & Granite P. Ltd.
Grace Exports
N.H. 8, Amberi, Udaipur,(Raj.) India
Tel. : 91-294-2440474, 2440475 Fax : +91-294-2440135
E-mail : grace_export@yahoo.co.in, Info@graceexport.com
Website : www.graceexport.com

florence
CONTINENTAL HOTEL
1, Jal Darshan Market, R.M.V. Road, Near Gulab Bag, Udaipur - 313 001 (Raj.) INDIA
Phone : 0294-2417456, 2417457, Fax :- 0294-2417456
Email :- mail.hotelflorence.co.in, pankajsukhwal96@gmail.com
Website : www.hotelflorence.co.in

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

PATEL PACKING INDUSTRIES

Manufacturers :

Corrugated Paper Boxes,
Rolls & Sheets

Email : ppi@patelpacking.com

Address

Near Police Line
Tekri, Udaipur
313001 (Rajasthan)

Phone

+91 294-2583523,
+91 294-2484761

पिच पर फोल्डेबल फोन की जंग

बार्सिलोना में फरवरी-मार्च में सम्पन्न मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस-2019 में कुछ बड़ी कम्पनियों ने 5जी कनेक्टिविटी के साथ फोल्डेबल फोन लॉन्च कर इस दिशा में एक नई जंग की शुरुआत कर दी है।

- अमित शर्मा

स्पेन के बार्सिलोना में पिछले दिनों सम्पन्न मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2019(एमडब्ल्यूसी 2019) में हुवावे और एलजी ने अपने फोल्डेबल फोन लॉन्च किए। ये दोनों फोन 5जी कनेक्टिविटी के साथ आए हैं, जो तेज इंटरनेट चलाने में मदद करेंगे। इस मौके पर नोकिया ने भी अपना पहला पांच कैमरे वाला फोन लॉन्च किया।

हुवावे मेट एक्स

चीन की कम्पनी हुवावे ने 'हुवावे मेट एक्स 5जी' फोल्डेबल फोन लॉन्च किया। इस फोन में दो फुलव्यू डिस्प्ले पैनल हैं एक 6.6 इंच और दूसरा 6.38 इंच। फोन खोलने के बाद 8 इंच का ओएलइडी फुलव्यू डिस्प्ले मिलेगा। इस फोन में टू-इन-वन कैमरा मौजूद है। हुवावे ने इस फोन में हाइसिलिकॉन 980 प्रोसेसर, 4500 एमएएच की बैटरी, 8जीबी रैम और 512 जीबी इंटरनल स्टोरेज दी है। इसकी कीमत 2,299 यूरो (लगभग 2,09,400 रुपये) है और यह इसी मई-जून से मिलने लगेगा। यह फोन एंड्रॉयड 9 पाई पर आधारित ईएम्यूआई 9.1.1 पर चलता है। इसमें 40 मेगापिक्सल का सेंसर(वाइड-एंगल लेंस), 16 मेगापिक्सल और 8 मेगापिक्सल का सेंसर(टेलीफोटो) है। हुवावे मेट एक्स में मिरर शूटिंग मोड भी मिलेगा।

एलजी वी50 थिंक 5जी

द. कोरिया की एलजी कम्पनी भी कहां पीछे रहने वाली थी। मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में उसने भी फोल्डेबल फोन 'एलजी वी50 थिंक 5जी' लॉन्च कर दिया। इस फोन में डुअल स्क्रीन 6.2 इंच फुल एचडी+ ओएलइडी है जिसमें तीन पोगो पिन कनेक्टर हैं। इस फोन में स्पीड और मल्टीटास्किंग के लिए क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 855 प्रोसेसर के साथ बेहतर 5जी कनेक्टिविटी के लिए स्नैपड्रैगन एक्स50 मॉडल का इस्तेमाल हुआ है। कंपनी ने इसमें 6जीबी रैम और एड्रेनो 640 जीपीयू दिया है। कंपनी ने 'एलजी वी50 थिंक 5जी' फोन के अलावा 'एलजी जी8 थिंक' और 'एलजी जी8एस थिंक' को भी लॉन्च किया।

ओप्पो भी लाया फोल्डेबल फोन

दूसरी ओर चीन की ही ओप्पो ने अपने फोल्डेबल फोन का प्रोटोटाइप पेश किया है। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट बियान शेन ने चीनी माइक्रोब्लॉगिंग साइट वीबो पर ओप्पो के फोल्डेबल फोन की तस्वीर साझा की। हालांकि उन्होंने फोन की खूबियों के बारे में अभी कुछ नहीं बताया है, लेकिन इसकी कीमत दो लाख रुपये के आस-पास होगी।

भारत में 2021 तक 5जी

फिनलैण्ड की नोकिया ने कहा कि अमेरिका, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे विकासशील देशों और भारत व लैटिन अमेरिका में 2021 तक 5जी की शुरुआत हो जाएगी। 5जी से एक गीगाबिट प्रति सेकंड की स्पीड मिलेगी।

दिल्ली में 5जी स्टेशन

आईआईटी दिल्ली में देश का पहला 5जी बेस स्टेशन स्थापित किया गया है। सेलुलर कंपनी विदेश में बने 4जी बेस स्टेशन से सुविधा लेती है, जो उन्हें महंगी मिलती है। इस कारण आम आदमी को भी इंटरनेट टैरिफ महंगा पड़ता है, लेकिन देश में स्थापित 5जी बेस स्टेशन से दस गुना सस्ती सेवा मिलेगी।

5जी से स्पीड कई गुना बढ़ जाएगी

5जी से स्मार्टफोन की स्पीड कई गुना बढ़ जाएगी। 5जी से आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) की कल्पना पूरी होगी। आईओटी इंटरनेट पर रिमोट मॉनिटरिंग की सुविधा देता है। आईओटी की मदद से सेल्फ ड्राइविंग कार को भी नए आयाम मिलेंगे और वह बिना किसी परेशानी सड़क पर दौड़ सकेगी। अमेरिका में वेरिजॉन कंपनी पहले से ही 30 शहरों में 5जी कनेक्टिविटी पर परीक्षण कर रही है और लोगों को जल्द ही उसकी सेवा भी उपलब्ध होने लगेगी।

पांच कैमरे वाला नोकिया 9प्योरव्यू

नोकिया ब्रांड के फोन बनाने वाली कंपनी एचएमडी ग्लोबल ने नोकिया 9प्योरव्यू लॉन्च किया है। एंड्रॉयड वन प्रोग्राम पर चलने वाले इस फोन के बैक पैनल पर पांच कैमरे हैं। पहले तीन मोनोक्रोम और दो आरजीबी लेंस रियर कैमरा सेटअप का हिस्सा है। सभी कैमरे एफ/1.82 अपर्चर वाले हैं। फोन की अन्य अहम खूबियों में 5.99 इंच 2के (2 हजार रेजोल्यूशन) स्क्रीन, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 845 प्रोसेसर और 6जीबी रैम शामिल है। इस फोन की कीमत 699 डॉलर (करीब 49.700 रुपये) होगी। कैमरा सिस्टम को लाइट के साथ मिलकर तैयार किया गया है। एचएमडी ग्लोबल ने क्वालकॉम और गूगल के साथ काम कर कैमरा सेटअप से और बेहतर प्रदर्शन कराने की कोशिश की है।

श्री

Shankar Lal 9414160690
Jyoti Prakash 9414161690
Chetan Prakash 9413287064

Jyoti Stores
(A Leading Merchant in Ayurvedic Medicines)

ज्योति स्टोर्स

Outside Delhi Gate, UDAIPUR - 313 001 (Raj.)

Ph. : 2420016 (S), 2415690 (R)

Factory : Jhamar Kotra Main Road, EKLINGPURA, Udaipur, Ph. : 2650460

E-mail : jagritiherbs@yahoo.co.in, Website : www.jagritiayurved.com

व्रत के व्यंजन

नवरात्र यानी नौ दिन तक शक्ति की आराधना का परम पावन अवसर। इसी माह 6 से 14 अप्रेल तक माता की साधना में जप-अनुष्ठान में साधक-साधिकाएं व्रत रखते हुए व्यस्त रहेंगे। ऐसे में उनके लिए पौष्टिक सागाहार जरूरी है। जिन्हें आसानी से घर में ही तैयार किया जा सकता है। विधि बता रही हैं -उर्वशी शर्मा

आलू शकरकंद हलवा

सामग्री : उबले हुए आलू का पेस्ट-आधा कप, उबले हुए शकरकंद का पेस्ट-आधा कप, ड्राई फ्रूट्स का पाउडर - 2 बड़े चम्मच, मिल्क पाउडर-2 बड़े चम्मच, चीनी-2 बड़े चम्मच, पिसी इलायची-एक चौथाई छोटा चम्मच, देसी घी-2 से 3 बड़े चम्मच।

विधि : धीमी आंच पर नॉनस्टिक पेन में घी गरम करें। ड्राई फ्रूट डालकर हल्का सा भूनें। आलू पर शकरकंद का पेस्ट डालें और भूनती रहें। पूरा मिश्रण भूनते हुए हल्का गुलाबी हो जाने पर मिल्क पाउडर और चीनी डालकर थोड़ी देर और भूनें। इलायची पाउडर डालकर उतारें।

आलू-सिंघाड़ा दही बड़ा

सामग्री : आलू-400 ग्राम, सिंघाड़े या कूट्टू का आटा-50 ग्राम, सैंधा नमक-आधा छोटी चम्मच, काली मिर्च-आधा छोटी चम्मच, बड़ी इलायची-कुटी हुई, भुना जीरा पाउडर-1 छोटी चम्मच, दही-400 ग्राम, घी या तेल-तलने के लिए।

विधि : आलू को धोकर उबाल कर छील लें अब आलू को कद्दूकस कर लें। इनमें सिंघाड़े का आटा, स्वादानुसार सैंधा नमक, काली मिर्च, इलायची डालकर कर अच्छी तरह मसल-मसल कर आटे की तरह गूंध लें।

दही को फैंट लें और फैंटे हुए दही में स्वादानुसार सैंधा नमक डालकर मिला दें। कढ़ाई में घी या तेल डाल कर गरम करें। मिश्रण से थोड़ा सा मिश्रण उठाकर, गोल करके चपटा करें और बड़े का आकार दें, इन्हें दाल दही बड़े की तरह बना लें। और कढ़ाई में डाल ब्राउनप होने तक तल लें तलने के बाद बड़ों को कढ़ाई से निकाल कर दही में डुबा दें। आलू सिंघाड़ा दही बड़ा व्रत के लिए तैयार है

सहगारी कोफ्ते

सामग्री : आलू(उबले मैश किए) - 5, सेंधा नमक एवं मिर्च पाउडर-स्वादानुसार, काजू टुकड़ी-2 बड़े चम्मच, मुनक्का-1 बड़ा चम्मच, हरी मिर्च(छोटे-छोटे टुकड़े)-आधा छोटे चम्मच, अदरक(कद्दूकस किया)-1 छोटा चम्मच, नींबू रस-1 बड़ा चम्मच, अनार दाने-1 बड़ा चम्मच, तेल-150 ग्राम, जीरा-1 छोटा चम्मच, राजगीरे का आटा-1 बड़ा चम्मच, सिंघाड़े का आटा-3 बड़े चम्मच, नारियल बूरा-1 बड़ा चम्मच, पनीर(कद्दूकस)-1 बड़ा चम्मच।

विधि : कड़ाही में तेल गर्म कर जीरा तड़का लें। हरी मिर्च, अदरक, आलू एवं नारियल का बूरा डालकर सुनहरा होने तक पका लें। काजू की टुकड़ी, मुनक्का एवं बाकी सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह पका लें। तैयार मिश्रण को ठंडा कर मनचाहे आकार में उसके कोफ्ते बना लें। राजगीरे एवं सिंघाड़े के आटे में सेंधा नमक, लाल मिर्च पाउडर एवं पानी डालकर उसका घोल बना लें। कोफ्ते घोल में डालकर घोल उन पर अच्छी तरह लपेट लें। कड़ाही में तेल गर्म कर कोफ्ते तेल में डालकर सुनहरे होने तक तल लें। सहगारी कोफ्ते को धनिए की चटनी के साथ सर्व करें।

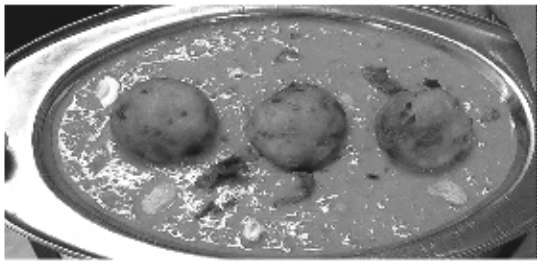

ड्राई फ्रूट टिक्की

सामग्री : मध्यम आकार के उबले हुए आलू-4, भींगा हुआ साबूदाना-4 बड़े चम्मच, राजगीरा का आटा-2 बड़े चम्मच, सेंधा नमक और काली मिर्च-स्वादानुसार, हरी मिर्च बारीक कटी हुई-एक बड़ा चम्मच, हरा धनिया और हरा पुदीना मिक्स-2 से 3 बड़े चम्मच, टिक्की बनाने के लिए घी-4 बड़े चम्मच।

भरावन के लिए : पानी निचुड़ा दही-एक तिहाई प्याला, ताजा पनीर मसला हुआ-आधा प्याला, मिक्स ड्राई फ्रूट्स का दरदरा पिसा पाउडर-2 बड़े चम्मच, ताजे फल बारीक कटे हुए-4 से 5 बड़े चम्मच, नमक और काली मिर्च-स्वादानुसार

विधि : फिलिंग की सारी सामग्री अच्छी तरह मिला लें और छोटे-छोटे गोले बना लें। टिक्की का मिश्रण भी अच्छी तरह मिला लें और गोले बना लें। अब टिक्की के गोलों में फिलिंग के गोले डालकर टिक्की का आकार दें। नॉनस्टिक तवे पर दोनों ओर से सुनहरा सेकें।

सेहत के रखवाले

पांच विटामिन बड़े निराले

– डॉ. अनिता शर्मा

मोनोपॉज होने के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन, हार्मोन की कमी होने लगती है। एक बार यदि उनमें एस्ट्रोजन की कमी दिखायी देने लगे तो उनमें दिल से संबंधित बीमारियां होने का खतरा धीरे-धीरे बढ़ता रहता है। जिसके कारण हार्टअटैक और दिल की बीमारियां उसके लिए जानलेवा साबित होने की आशंका बढ़ाने लगती हैं। इस उम्र में स्ट्रोक की वजह से महिलाओं में होने वाली मौतों में इजाफा होने लगता है। मेडिकल साइंस के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं को अपने आपको इन तमाम परेशानियों से बचाने के लिए अपने भोजन में उन पौष्टिक तत्वों को शामिल करना जरूरी होता है जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सके।

फोलिक एसिड

यह एक ऐसा बी कॉम्पलेक्स विटामिन है जिसकी जरूरत गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसे फोलेट भी कहा जाता है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं में इसकी जरूरत बढ़ती है। इसलिए इसका रोज सेवन करना चाहिए। क्योंकि यह शरीर में नए तंतुओं के निर्माण में सहायक होता है। शरीर में फोलिक एसिड की कमी से एनीमिया, वजन घटना, शारीरिक कमजोरी, सिरदर्द जैसे लक्षण दिखायी देते हैं। इसके अलावा खून के थक्के जमना, दिल संबंधित बीमारियों का भी यह सूचक होता है। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में इसकी जरूरत बढ़ने से उन्हें प्रति दिन 400 माइक्रो ग्राम फोलिक एसिड भोजन में शामिल करना चाहिए। जिसे पाने के लिए उन्हें हरी पत्तेदार सब्जियां, रसेदार फल, सूखे मेवे और ऑलिव ऑयल का सेवन करना चाहिए।

कैल्शियम

महिलाओं में उम्र बढ़ने के साथ ही शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। कैल्शियम शरीर में न केवल हड्डियों की नयी कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है बल्कि यह हड्डियों के स्वास्थ्य के लिय निहायत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में मोनोपॉज के दौरान नयी हड्डियों की कोशिकाएं विकसित होने की गति और क्षमता में कमी आने लगती है। इसके लिए उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं को अपने भोजन में कैल्शियम की मात्रा को बढ़ा देना चाहिए। उनके लिए सिर्फ सुबह शाम दूध पीना ही पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा कैल्शियम वाला खाद्य पदार्थ जैसे – विभिन्न डेयरी प्रोडक्ट और कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ जैसे टोफू, दालें, सोयाबीन और सब्जियां, ब्रोकली ओर बंदगोभी तथा सोलोमोन और खाने में मुलायम मछली का सेवन किया जाना चाहिए।

विटामिन-डी

जिन महिलाओं के शरीर में विटामिन डी की कमी होती है उनमें हड्डियों के भुरभुरे होने और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी होने की आशंका होती है। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम को समाहित करने में सहायक होता है और यह हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। विटामिन डी के सही सेवन से कूल्हों में होने वाले फ्रैक्चर की आशंका को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। विटामिन डी को प्राप्त करने के लिए कई रास्ते अपनाएं जाते हैं। त्वचा के माध्यम से प्राप्त होने वाला विटामिन डी, भोजन द्वारा और सप्लीमेंट्स द्वारा हासिल किया जाने वाला विटामिन डी। उम्र के बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं की त्वचा में भी बदलाव आ जाता है। यही वजह है कि सूर्य की किरणों से प्राप्त होने वाले विटामिन डी को हासिल करने की क्षमता में भी गिरावट आ जाती है। लेकिन महिलाएं अपने शरीर में विटामिन डी की मात्रा को संतुलित करने के लिए दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थ जैसे योगर्ट, कॉटेज चीज और सामान्य चीज का सेवन कर सकती है।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

बढ़ती उम्र की महिलाओं में दिल संबंधित बीमारियों के खतरों को कम करने के लिए मछली और ओमेगा 3 फैटी एसिड का अजब मेल है। ओमेगा 3 फैटी एसिड फोलिक एसिड का अनसेचुरेटेड फॉम है। यह हेल्दी फैट शरीर में रक्त के दबाव को कम करता है। इसके अलावा यह धमनियों में जमने वाली वसा की अतिरिक्त परत को रोकने में भी सहायक होता है। विभिन्न अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि ओमेगा 3 फैटी एसिड शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल बनने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और बुरे कोलेस्ट्रॉल बनने की आशंका को दूर करता है। विविभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि मछली के तेल से भी इसे हासिल किया जाता है। इसके अलावा वसा वाली मछलियों को सप्ताह में दो बार खाना चाहिए और ऐसा ऑलिव ऑयल जिसमें मोनो सेचुरेटेड फोलो एसिड हो उसे लें। इससे उनमें दिल संबंधित बीमारियां होने का खतरा कम होता है।

विटामिन बी-12

उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं में विटामिन बी-12 की कमी होने लगती है। उम्रदराज महिलाओं के उदर में हाइड्रोक्लोरिक एसिड की मात्रा कम होने के कारण उनमें विटामिन के पाचन की क्षमता भी कम हो जाती है। जिन महिलाओं में विटामिन बी-12 की कमी हो जाती है उनमें थकान होना, वजन कम होना, स्मरण शक्ति कम होना, डिमेंशिया तथा डिप्रेशन के खतरे बढ़ जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार मोनोपॉज के बाद जिन महिलाओं के भोजन में विटामिन बी-12 की कमी होती है उनमें एनीमिया होने के खतरे काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। महिलाओं को चाहिए कि वे बी-12 विटामिन प्रतिदिन 2.4 माइक्रो ग्राम की मात्रा अपने आहार में जरूर शामिल करें। मछली मीट, पोलट्री प्रोडक्ट का सेवन करें तथा आहार में दालें और मोटे अनाज युक्त नाश्ता प्रतिदिन खाएं।

रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है, नीलम

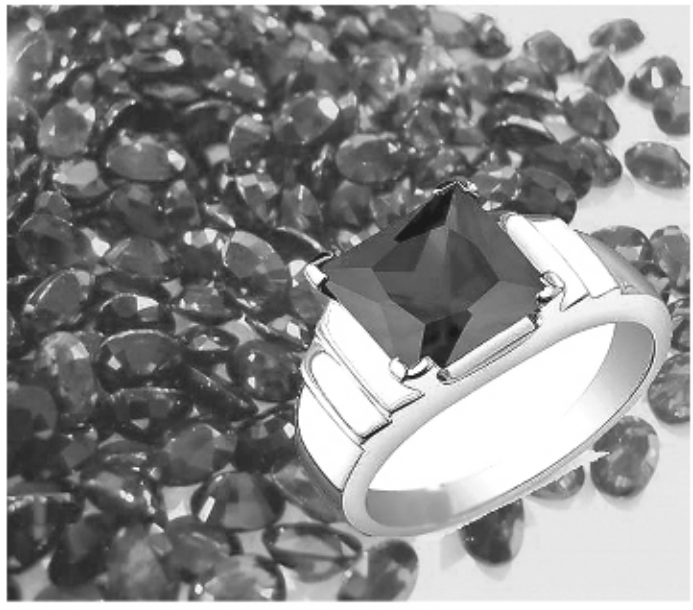

माना जाता है कि नीलम धारण करने से व्यक्ति तरक्की के नित नवीन सोपान चढ़ता चला जाता है। लेकिन इसे उन्हीं लोगों को धारण करना चाहिए जिनकी जन्म कुण्डली इसकी इज़ाजत देती हो। उन लोगों को इसे कदापि नहीं पहनना चाहिए जो मात्र शनि की कृपा पाने के भाव से इसे अपनी अंगुली या भुजा की शोभा बना लेते हैं।

– पं. हीरालाल शर्मा

नीलम एक चमत्कारी रत्न है। इसे धारण करने से मन में तीव्रता और व्यवहार में बदलाव आता है। माना जाता है कि नीलम को विधिवत् धारण करने वाले व्यक्ति के लिए प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है और सामयिक समस्याओं के निराकरण के लिए उसे रास्ता मिलता है। लेकिन यह भी सत्य है कि जिन लोगों को यह 'रत्न' रास नहीं आता उनके जीवन में समस्याएं और खतरे पग-पग पर होते हैं। यह रंक से राजा बना देने की कुव्वत रखता है तो राजा को रंक बनाने में भी इसे देर नहीं लगती। अतएव इस शनि रत्न को धारण करने में काफी सावधानी बरती जानी चाहिए।

- मेष, वृष, तुला एवं वृश्चिक लग्न वालों के लिए नीलम धारण करना फायदेमंद है, यह भाग्योदय करता है।
- यदि जन्मकुण्डली में शनि, चौथे, पांचवें, दसवें या ग्यारहवें भाव में हो, तो नीलम अवश्य धारण करना चाहिए।
- अगर शनि षष्ठेश या अष्टमेश के साथ बैठे हैं तो नीलम धारण करना श्रेष्ठतम होगा।
- यदि शनि अपने भाव से छठे या आठवें स्थान पर स्थित हों तो ऐसे जातकों को नीलम अवश्य पहनना चाहिए।
- शनि मकर तथा कुंभ राशि का स्वामी है। यदि एक राशि श्रेष्ठ भाव में और दूसरी अशुभ भाव में हो तो नीलम न पहनें। इसके इतर अगर शनि की दोनों राशियां श्रेष्ठ भावों का प्रतिनिधित्व करती हों तो नीलम धारण करना श्रेष्ठतर होता है।
- अगर किसी भी ग्रह की महादशा में शनि की अन्तर्दशा चल रही हो तो नीलम अवश्य ही पहनना चाहिए।
- यदि शनि सूर्य के साथ हो, सूर्य की राशि में हो या सूर्य से दृष्ट हो तो भी नीलम पहनना लाभदायक है।
- यदि जन्मकुण्डली में शनि वक्री, अस्तगत या दुर्बल हो और शुभ भावों का प्रतिनिधित्व कर रहा हो तो नीलम धारण करना श्रेष्ठतम माना गया है।
- जो शनि ग्रह प्रधान व्यक्ति हैं, उन्हें अवश्य ही नीलम पहनना चाहिए।

नीलम के उपरत्न

नीलम के दो उपरत्न भी पाए जाते हैं, जो लोग नीलम नहीं खरीद सकते, वे इन उपरत्नों को भी धारण कर सकते हैं। ये हैं लीलिया और जमुनिया।

लीलिया

यह नीले रंग का हल्की रक्तिम ललाई वाला होता है, इसमें चमक भी होती है। लीलिया गंगा-यमुना के तट पर मिलता है।

जमुनिया

इसका रंग पके जामुन सा होता है। इसके अलावा यह हल्के गुलाबी और सफेद रंग में भी पाया जाता है। यह चिकना, साफ एवं पारदर्शी होता है। जमुनिया भारत के हिमालय क्षेत्र में अक्सर मिलता है।

नीलम को तभी धारण करना चाहिए जब इसका निर्णय आप स्वयं अपनी जन्म कुण्डली से करने में समर्थ हों। यदि नहीं तो किसी ज्योतिर्विद की सलाह पर ही विधिपूर्वक पहनें। इस रत्न को रत्न पारखी की सहायता से खरीदें।

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर

महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर
Phone :- 0294-2412464

सम्बन्धित फर्म

रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया

स्वीडन जहां स्टार्टअप के लिए मिलती है छुट्टियां

- सनत जोशी

किसी कम्पनी में स्थायी कर्मचारियों को नई कंपनी खोलने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप छह महीने तक की छुट्टी दी जाए। यही नहीं इन छुट्टियों का उपयोग पढ़ाई के लिए या किसी रिश्तेदार की देखरेख के लिए भी किया जाए। है ना, यह आश्चर्य जनक जी हां, स्वीडन में पिछले दो दशकों से ऐसा ही हो रहा है। यहां छुट्टियां लेना कंपनी का उपकार नहीं बल्कि कर्मचारियों का अधिकार है। इस तरह की छुट्टी से अधिकारी तभी मना कर सकते हैं, जब उस कर्मचारी के बिना कम्पनी का काम चलना ही मुश्किल हो या किसी नई कंपनी से सीधे प्रतियोगिता का खतरा हो। इस तरह की छुट्टियां देने वाला संभवत: यह अकेला देश है। स्वीडन में कई लोग नौकरी के साथ अधिकारी की अनुमति से कर्मचारी नया काम भी शुरू कर देते हैं। कर्मचारी को बस यह मैनेज करना होता है कि उनके जाने से काम पर प्रतिकूल असर न पड़े। जब उनका बिजनेस चलने लगता है तो वे लंबी छुट्टियां ले लेते हैं। बाद में असफल होने पर नौकरी पर लौट आते हैं या सफल होने पर कम्पनी से त्यागपत्र दे देते हैं।

छुट्टियां लेना कंपनी का उपकार नहीं बल्कि कर्मचारियों का अधिकार

डर के आगे जीत है : 31 साल के मैक्स फ्रीबर्ग सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म चलाते हैं। उन्होंने ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म की नौकरी छोडऩे की जगह छुट्टियां ले ली। उनको वित्तीय असुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक रुतबे की भी चिंता थी। इसके लिए उन्होंने वर्षों मेहनत की। अवैतनिक छुट्टी की संभावना ने उनकी चिंताओं को बहुत हद तक दूर कर दिया। बाद में वे सफल हुए। इस सफलता के पीछे उनका तर्क है कि मैं खुद से पूछता था कि क्या मैं पागलपन करने जा रहा हूं? लेकिन मैं वापस अपनी जगह लौट सकता हूं, यह जानकर मेरा डर निकल गया। डर निकलने से बेहतर सोचने की दिशा में बढ़ता गया। उनका कहना है कि डर के आगे जीत हमेशा हमारा इंतजार कर रही होती है।

उद्यमिता को बढ़ाने में सहायक

इस तरह की सुविधा मिलने से कर्मचारियों को छुट्टी लेकर अपना बिजनेस शुरू करने की प्रेरणा मिलती है। क्योंकि उनकी नौकरी पर खतरा नहीं होता है। अमुमन एक बार मिल जाने पर लोग आसानी से अपनी नौकरी नहीं छोड़ना चाहते, लेकिन यहां छुट्टी लेकर कुछ नया करने को बढ़ावा दिया जाता है। ऐसा करने से अवैतनिक छुट्टियों का अधिकार उद्यमिता को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसा उन देशों में भी हो सकता है जहां ज्यादा लचीले श्रम बाजार हैं। 2016 के एक अध्ययन से पता चला था कि नाकामी के डर से पीछे हट जाने वाले संभावित उद्यमियों को सबसे बड़ी चिंता वित्तीय जोखिम की थी, मगर कॅरियर का जोखिम भी उतना ही अहम था। जिन लोगों को छुट्टियां लेने का मौका मिलता है, पांच साल बाद उनके उद्यमी बनने की संभावना बढ़ जाती है। स्वीडन में नतीजे इस बात के पक्के सबूत हैं कि यदि कॅरिअर के जोखिम को नज़रन्दाज कर दिया जाए तो उससे उद्यमिता बढ़ेगी।

स्वीडन में नई सोच को सम्मान

करीब एक करोड़ की आबादी वाला स्वीडन नए विचारों को सम्मान देने वाला देश है। यहां स्टार्ट-अप विकसित होने के कई कारण हैं, जैसे- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, सहयोग की संस्कृति और सस्ता निजी बेरोजगारी बीमा। यह दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा सामाजिक सुरक्षा देता है। लंबी अवैतनिक छुट्टियों के अधिकार ने इसमें कितना योगदान दिया है, इसके आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। फिर भी शिक्षाविदों, श्रम संगठनों और नियोक्ताओं ने इसका योगदान माना है। आंकड़े यह जरूर दिखाते हैं कि लीव ऑफ एबसेंस बढऩे के साथ-साथ स्वीडन में अपनी कंपनी खड़ी करने वाले कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ रही है।

नवरात्री एवं महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेश साहू 92529 83227,
दिनेश साहू 98876 33153
तुषार (भोलु) 97845 63699

श्री कृष्ण दही भण्डार

एण्ड मिल्क प्रोडक्ट, स्वीट्स

मलाई वाला दही, पनीर, क्रीम, रबड़ी, केसर बाटी, रसगुल्ला, श्रीखण्ड, मलाई बर्फी, लस्सी, फीका मावा, छाछ, मक्खन, बटर, देशी घी, सरस दूध, घेवर, गुलाब जामुन, सोहन पपड़ी, बंगाली मिठाइयां, रबड़ी कुल्फी, आईसक्रीम, हरा मटर

शादी व पार्टियों में ऑर्डर लिए जाते हैं

19-25 धानमण्डी स्कूल मार्ग, उदयपुर

गुरु तेगबहादुर व गुरु अर्जनदेव जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

Tel: 0294-2413807(O)
0294-2418489(R)

स्वागत टेन्ट हाऊस

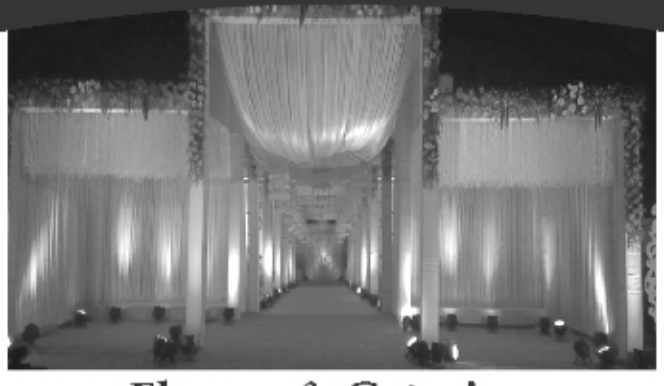

Tent Decoration

Light Decoration

Flower & Catering

Opp. Commerce College, M.B. College Road, Udaipur
Res :- 11, Govindpura Colony, Old Railway Station Road, Udaipur (Raj.)

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

अप्रैल माह आपके लिए मिश्रित फल वाला है। स्वजनों से सम्बन्धों में मधुरता आएगी और यात्रा प्रसंग बनेंगे, लेकिन जमीन-जायदाद में अड़चनें भी आएंगी तथा गुप्त शत्रु सक्रिय होंगे। रचनात्मक कार्य फलीभूत होंगे, माह के उत्तरार्द्ध में आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा, रक्त सम्बन्धित रोग परेशान कर सकते हैं।

वृषभ

यह माह इस राशि के लिए सामान्य है, जीवन साथी की सेहत के कारण परेशान रह सकते हैं, आडम्बर और गतिरोध से अपने आप को दूर रखें, मानसिक तनाव के कारण आर्थिक पक्ष कमजोर रहेगा परन्तु माह के अन्त में स्थितियां अनुकूल हो जाएंगी, पेट सम्बंधी समस्या उभर सकती है, सन्तान की ओर से भी परेशानी सम्भव।

मिथुन

सामाजिक-राजनैतिक दायरा बढ़ेगा, भाइयों का सहयोग मिलेगा, नया आर्थिक करार अन्तिम रूप लेगा एवं धनागम बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए यह माह नयी दिशा तय करेगा, नौकरी पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, शरीर का वजन बढ़ने से परेशान हो सकते हैं, दाम्पत्य जीवन में भी कुछ कड़वाहट रहेगी।

कर्क

यह माह उत्तम फलदायी है, आपकी प्रतिभा आपको सफलता की ओर अग्रसर करेगी, यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे, सन्तान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे, भौतिक सुख में वृद्धि होगी, आर्थिक दृष्टि से माह सुकून भरा रहेगा, कमर दर्द से परेशान रह सकते हैं, व्यवसाय में वृद्धि और दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

सिंह

बुद्धिमता एवं भाग्य के प्रभाव से कार्य योजनाएं सफल होंगी। कोई अजनबी भी सहयोग कर सकता है। फिजूल खर्च एवं उधार से बचें, जीवन साथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा, दीर्घकालीन योजनाएँ आगे लाभ देंगी, नौकरी पेशा जातकों के लिए श्रेष्ठ समय है, लाभ उठायें, जोड़ों के दर्द तथा सन्तान के कारण अनपेक्षित मानसिक तनाव रहेगा।

कन्या

यह माह मध्यम फलदायी है, मनोरंजन एवं व्यर्थ के कामों में खर्च अधिक होगा, किसी व्यक्तिगत विषय पर आपके और जीवन साथी के बीच विवाद से परिवार में अशांति रहेगी। भाग्य सहयोग करेगा, परन्तु पुरुषार्थ पर अधिक ध्यान देवें तात्कालिक लाभ की अपेक्षा दीर्घकालीन लाभ की योजनाएं लाभप्रद रहेंगी।

तुला

माह का उत्तरार्द्ध बहुत ही सुकून से व्यतीत होगा। विरोधी परास्त होंगे, यदि कोई बीमारी है तो उससे राहत मिलेगी, नये वाहन की प्राप्ति की प्रबल सम्भावनाएं, मित्रों का सहयोग सफलता को आगे बढ़ाएगा, नौकरी एवं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि संभव शासकीय एवं न्यायिक मामले पक्ष में रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
रंग तेरस	चैत्र कृष्णा 13	3 अप्रैल
नवरात्रि घट स्थापना/चेटीचण्ड	चैत्र शुक्ला 1	6 अप्रैल
गणगौर पूजा	चैत्र शुक्ला 3	8 अप्रैल
दुर्गाष्टमी	चैत्र शुक्ल 8	13 अप्रैल
रामनवमी	चैत्र शुक्ल 9	14 अप्रैल
महावीर जयन्ती	चैत्र शुक्ल 13	17 अप्रैल
हनुमान जयन्ती	चैत्र शुक्ल 14	18 अप्रैल
गुरु तेग बहादुर जयन्ती	वैशाख कृष्णा 5	24 अप्रैल
गुरु अर्जुन देव जयन्ती	वैशाख कृष्णा 7	26 अप्रैल
वल्लभाचार्य जयन्ती	वैशाख कृष्णा 11	30 अप्रैल

वृश्चिक

आपके उग्र स्वभाव के कारण विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है। किसी के प्रभाव में भी न आएं अन्यथा पछताना पड़ेगा। खर्चों में बढ़ोतरी परेशानी बढ़ा सकती है। माह का उत्तरार्द्ध उत्तम, त्वचा सम्बंधी रोग परेशान कर सकते हैं, व्यवसाय में नया निवेश न करें, दाम्पत्य जीवन में अशान्ति संभव।

धनु

कुछ मानसिक परेशानियों के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पादित होंगे, घर में धार्मिक कार्यक्रम की योजना बनेगी, राजकीय एवं न्यायिक मामलों में सफलता, भावी कार्य योजनाएं बनेगी। आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा, पेट सम्बंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, चिकित्सक से परामर्श लें। व्यापारिक गतिविधियों के लिए समय उत्तम है।

मकर

यह माह इस राशि के जातकों के लिए सामान्य सा है, प्रशासनिक उलझनों से राहत मिलेगी किन्तु संतान से परेशानी हो सकती है, दिखावे में धन एवं समय नष्ट न करें, किसी कारणवश दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है, नौकरी में तरक्की सम्भव, वैवाहिक जीवन सामान्य, गुर्दे की बीमारी से पीड़ित जातक राहत का अनुभव करेंगे।

कुम्भ

आय की दृष्टि से यह माह श्रेष्ठ है। आपके बड़बोले पन से बनते कार्य बिगड़ सकते हैं, वाणी पर संयम रखना नितान्त आवश्यक है, परिवार में कहासुनी से वातावरण बोझिल हो सकता है, व्यवसाय में उधारी से दूरी बनाये रखें, वैवाहिक जीवन सहयोगात्मक एवं रचनात्मक किन्तु सन्तान पक्ष से बेवजह चिन्ता रहेगी।

मीन

माह के पूर्वार्द्ध में अस्थिरता बनी रहे, परन्तु उत्तरार्द्ध लाभदायी सिद्ध होगा। कार्य क्षेत्र में असमंजस की स्थिति बनेगी, स्थान परिवर्तन भी सम्भव है, न्यायिक फैसले आपके पक्ष में बनेंगे, पुरुषार्थ पर अधिक बल देवें, सन्तान पक्ष से असन्तुष्ट रहेंगे, विरोधी कमजोर होंगे, आय पक्ष सामान्य रहेगा, दाम्पत्य जीवन हर्षोल्लास से परिपूर्ण रहेगा।

शहीद के परिवार को सहायता

उदयपुर। बिनोल(राजसमंद) के शहीद नारायण लाल गुर्जर के परिवार को आर्थिक सहायता देने का क्रम जारी है। 'जीतो' संगठन की ओर से 5 लाख, सरस डेयरी परिवार से 54 हजार व आर्मी रिलीफ फण्ड की ओर से एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है।

जीतो उदयपुर चेप्टर की ओर से ओपेरा गार्डन में स्वास्थ्य एवं समृद्धि विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर अनुभव श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों को जागरूक किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजसमन्द जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल थे।

शहीद नारायणलाल गुर्जर के बच्चों की शिक्षा के लिए उनकी पत्नी मोहिनी गुर्जर के नाम 5 लाख रुपये का चैक जोन चेयरमैन शांतिलाल मारू, उदयपुर चेप्टर के अध्यक्ष शांतिलाल मेहता, मुख्य सचिव सीए डॉ. महावीर चपलोत, डॉ. क्षितिज मुर्डिया, राजकुमार सुराणा व किशोर

चौकसी ने पोसवाल को 5 लाख का चेक प्रदान किया। जोन चेयरमैन शांतिलाल मारू ने बताया कि जीतो भारत ने पुलवामा में शहीद सभी शहीदों के परिजनों के लिये 3 करोड़ 3 लाख का चैक राष्ट्रीय भाजपाध्यक्ष अमित शाह को गुजरात में भी प्रदान किया।

शहीद के परिवार को सरस दूध परिवार की ओर से 54 हजार रुपए की सहायता चेयरमैन डॉ.गीता पटेल व सदस्यों ने को प्रदान की।

दिवाली फेस्ट बंपर ड्रा के विजेता पुरस्कृत

उदयपुर। सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार लिमिटेड ने कॉप दिवाली फेस्ट बंपर ड्रा के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उन्हें सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने पुरस्कृत किया। पहला पुरस्कार मारुति कार दुलारी शर्मा, दूसरा पुरस्कार मोटर साइकिल प्रकाशवीर, तीसरा पुरस्कार एलईडी टीवी राहुल सेन, हिमांशु स्वामी, विनोद को, चतुर्थ चार पुरस्कार के रूप में ललित बुनकर, विनोद कुमार झंवर, राजीव माथुर, संदीप को फ्रिज, पांचवा पुरस्कार ज्यूसर-मिक्सर विनायक पंवार, महेन्द्र सिंह, दिव्यांशी, मनोज चौहान एवं किशन लाल बुनकर को दिया गया।

जोरवाल का स्वागत

उदयपुर। पीएचईडी में अधीक्षण अभियंता जगदीशप्रसाद जोरवाल ने पिछले दिनों कार्यभार संभाला। इंटक नेता अशोक तम्बोली के नेत्तत्व में कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

डॉ. छतलानी को लघुकथा सम्मान

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ के सहायक आचार्य डॉ. चंद्रेश छतलानी को हिन्दी लघुकथा के लिए प्रतिलिपि लघुकथा सम्मान दिया गया। उन्हें यह सम्मान हजारों प्रविष्टियों में से चयनित उनकी लघुकथा 'अन्नदाता' के लिए बेंगलूरू की एक हिन्दी संस्था ने प्रदान किया है।

राजेश बने सहकार भारती के प्रदेश मंत्री

सवाईमाधोपुर। सहकार भारती प्रदेश कार्यसमिति की बैठक यहां विवकानन्दपुरम में हुई। जिसमें राजस्थान प्रदेश सहकारी भारती के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने अपनी कार्यकारिणी में उदयपुर सहकार भारती के जिलाध्यक्ष राजेश चित्तौड़ा को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया। साथ ही कार्यकारिणी का विस्तार कर उदयपुर संभाग से भूपेन्द्र जोशी को विभाग संयोजक, डॉ. रचना करणपुरिया को विभाग महिला संयोजक, विनोद चपलोत को राज्य बैंकिंग प्रमुख, बद्रीनारायण शर्मा को विभाग सहसंयोजक व योगेश द्विवेदी को राज्य लैम्पस प्रमुख मनोनीत किया।

जेके टायर ने मनाया सुरक्षा दिवस

राजसमन्द। जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, जेके ग्राम कांकरोली में गत दिनों 48वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। महाप्रबन्धक(मानव संसाधन व औद्योगिक सम्बन्ध) राकेश श्रीवास्तव ने सुरक्षा ध्वज फहराया। कार्यक्रम में अनिल मिश्रा, यूनियन प्रतिनिधि पवन कुमार ने भी विचार व्यक्त किए। जेके टायर प्रबन्धन की ओर से डी. एस. सीरवी, सुनील मिश्रा, एच. एल. स्वामी, संजय अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, एम. के. शर्मा, पी. के. जैन, एस. एस. चारण उपस्थित थे। संचालन सुरक्षा अधिकारी अतुल मिश्रा ने किया।

पारितोषिक वितरण समारोह

उदयपुर। बाल विनय मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरिदासजी की मगरी में पारितोषिक वितरण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा भरत मेहता थे। अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिवजी गौड़ ने की। विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरत जोशी थे। संस्था प्रधान शंकरलाल मेनारिया ने स्वागत किया। विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।

सरस पार्लर का उद्घाटन

उदयपुर। उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल ने गत दिनों को स्वामी नगर, सौ फीट रोड पर नए सरस पार्लर का उद्घाटन किया। डॉ. पटेल ने बताया कि सरस का दूध, दही, छाछ, लस्सी, श्रीखंड, पनीर, घी, फ्लेवर्ड मिल्क, गुलाब जामुन, रसगुल्ले, आईसक्रीम आदि उपलब्ध होंगे। दुग्ध संघ के प्रबंध संचालक उमेश गर्ग, संघ के विपणन अधिकारी भरत श्रीमाली, डॉ. आर. के. जटाना भी इस अवसर पर मौजूद थे।

बिहार समाज कार्यकारिणी ने ली शपथ

उदयपुर। बिहार समाज समिति का शपथ ग्रहण समारोह पिछले दिनों मात्स्यकी महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा व विशिष्ट अतिथि डॉ. राव कल्याण सिंह, प्रदेश कांग्रेस सचिव पंकज कुमार शर्मा व अजय सिंह थे। अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव मुसाफिर, कोषाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह, कार्यकारिणी सदस्य विमला सिंह, किरण श्रीवास्तव, परवीन सिंह, अमरेन्द्र सिंह, डॉ. जोगेन्द्र सिंह तथा सत्येन्द्र सिंह ने शपथ ग्रहण की।

किरण जिंक की चेयरमैन

उदयपुर। किरण अग्रवाल को हिन्दुस्तान जिंक के निदेशक मण्डल ने कम्पनी की अतिरिक्त निदेशक एवं चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया हैं। वे एक लेखिका भी हैं जो कि विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखती हैं।

राकेश नन्दावत

नन्दावत अध्यक्ष, पामेचा सचिव

उदयपुर। भारत विकास परिषद लेकसिटी के दक्षिण प्रान्त के संरक्षक राव नरपत सिंह आसोलिया और चुनाव पर्यवेक्षक येवन्ती कुमार बोलिया की मौजूदगी में वर्ष 2019-21 के लिए कार्यकारिणी का गठन हुआ। राकेश नन्दावत अध्यक्ष, सुनील कुमार पामेचा सचिव व मदन गोपाल शर्मा कोषाध्यक्ष

सुनील पामेचा

पंचोली कॉर्डिनेटर नियुक्त

उदयपुर। लोकसभा चुनावों को देखते हुए अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुष्मिता देव ने महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष सीमा पंचोली को उदयपुर संभाग का कॉर्डिनेटर बनाया है। पंचोली ने बताया कि महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए उदयपुर संभाग के उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ जिलों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें की जा रही हैं।

श्री सीमेंट को दो राष्ट्रीय पुरस्कार

ब्यावर(प्रब्यू)। सीमेंट उद्योग के क्षेत्र में जानी-मानी कम्पनी श्री सीमेंट लिमिटेड को फरवरी में दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया। मुम्बई के होटल ताज लैंड्स एण्ड में 18 फरवरी को हुए समारोह में कम्पनी को ग्रामीण आजीविका विकास के लिए राष्ट्रीय सीएसआर लीडरशिप अवार्ड प्रदान किया गया। इ.टी.नाऊ एवं बर्ड सीएसआर द्वारा आयोजित समारोह में यह अवार्ड सुदर लैण्ड कॉर्पोरेशन, कनाडा के प्रेसिडेंट एवं सीईओ पाउल सुदरलैण्ड एवं श्रीमती सेली ए. ली. मेयर सोरसोगन से कम्पनी के उपाध्यक्ष(कार्मिक एवं प्रशासन) पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने ग्रहण किया।

दूसरा राष्ट्रीय सीएसआर अवार्ड 2017-18 फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स(फिक्की), नई दिल्ली की ओर से प्रदान किया गया। नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में 21 फरवरी को केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने कम्पनी के विशाल जायसवाल को प्रदान किया। श्रीसीमेंट को यह पुरस्कार श्रेष्ठ सामाजिक सरोकार के लिए वृहद उद्योगों की श्रेणी में प्रदान किया गया। इस अवसर पर फिक्की सीएसआर एण्ड कम्युनिटी डवलपमेंट कमेटी की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला एवं महासचिव दिलीप चिनोय भी मौजूद थे।

इन राष्ट्रीय पुरस्कारों पर कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक, पी. एन. छंगाणी, अध्यक्ष(वाणिज्यिक) संजय मेहता व संयुक्त अध्यक्ष अरविन्द खींचा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसका श्रेय कार्मिकों के श्रम एवं उत्पाद की श्रेष्ठता को दिया है।

ग्लोबल मेन्टरिंग वॉक दौड़ी महिलाएं

उदयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्वयं सेवी संस्था वाइटल वॉयस की उदयपुर ब्रान्च वूमन मेन्टोर्स फोरम की शहर की प्रोफेशनल महिलाओं के समूह की सदस्याएं 10 मार्च को प्रात: लगातार दूसरे वर्ष भी ग्लोबल मेन्टोरिंग वॉक का आयोजन कर 'जो अपने पास है उसे आगे बढ़ाएं' स्थायी थीम को ले कर दौड़ी। समूह की शिल्पा बापना ने बताया कि दौड़ को मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की सीएसआर हेड नीलिमा खेतान, निवृत्ति कुमारी मेवाड़ एवं विशिष्ट अतिथि लब्धि सुराणा ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर शांति एवं प्यार के प्रतीक लाल एवं सफेद रंग के गुब्बारे छोड़ कर सभी को शांति एवं भाईचारे का संदेश दिया।

सैनिकों और परिजनों की आंखों का होगा मुफ्त इलाज

उदयपुर। सैनिकों, शहीदों और उनके परिजनों का अलख नयन मंदिर मुफ्त इलाज करेगा। उदयपुर छावनी स्टेशन के कमांडर कर्नल दीपक रामपाल और ईसीएचएस पॉली क्लिनिक के कर्नल प्रवीण सक्सेना ने सेवा कार्यों पर चर्चा कर सेवाएं देने का संकल्प पत्र सौंपा। अलख नयन मंदिर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. लक्ष्मणसिंह झाला ने बताया कि सैनिकों, शहीदों और उनके परिजनों की आँखों के हर प्रकार के रोगों की नि:शुल्क जाँच और इलाज किया जाएगा। इस सेवा का लाभ लेने के लिए भारतीय जल, थल और वायु सैनिकों को मिलिट्री हॉस्पिटल से रेफरल लाना होगा। इस मौके पर मैनेजिंग ट्रस्टी लक्ष्मी झाला, एग्जिक्यूटिव ट्रस्टी मीनाक्षी चूंडावत, ट्रस्टी डॉ. एम एस राठौड़ आदि मौजूद थे।

सिंघटवाड़िया रोटरी डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन बने

उदयपुर। रोटरी अंतरराष्ट्रीय क्लब 3054 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बीना देसाई(अहमदाबाद) ने संदीप सिंघटवाड़िया को राजस्थान और गुजरात का डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन(कॅरियर गाइडेंस एंड ट्रेनिंग) नियुक्त किया। योगेश पगारिया को वाइस चेयरमैन, एनर्जी कंजर्वेशन एंड अल्टरनेट एनर्जी प्रमोशन के लिए नियुक्त किया।

शोक समाचार

पूर्व विधायक व शिक्षक नेता शिवजी नहीं रहे

उदयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवकिशोर सनाढ्य का 18 मार्च को निधन हो गया। 84 वर्षीय सनाढ्य गत कुछ दिनों से बीमार थे। सनाढ्य वर्ष 1990 व 1993 में उदयपुर शहर विधायक चुने गए। उन्होंने 4 मार्च 2006 से 22 दिसम्बर 2008 तक यूआईटी चेयरमैन पद संभाला। वे अखिल भारतीय शैक्षणिक महासंघ एवं अखिल भारतीय माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष भी रहे। वे 1973 सहित कई बार राजनीतिक आंदोलनों में जेल भी गए। शिक्षाविद् सनाढ्य ने कई अन्तरराष्ट्रीय शैक्षणिक सेमिनारों में हिस्सा लिया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती कमला देवी और भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, नगर पालिका एवं नगर विकास प्रन्यास के चेयरमैन रहे एडवोकेट श्री मदनलाल जी धुप्पड़(94) का 1 मार्च, 2019 को निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र भगवतीलाल, कमलेश, नरेन्द्र, पुत्रियां विमला जागेटिया, हेमलता मूंदड़ा व निर्मला मण्डोवरा सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों तथा भाई-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। उद्यमी श्री लाल सिंह जी सिंघवी(सिंघवी पॉलीमर्स प्रा. लि.) का 28 फरवरी 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती प्रभा देवी, पुत्र अंकित एवं पुत्री अविका तथा उनका व भाई-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। वे ऊर्जावान उद्यमी होने के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहे।

उदयपुर। श्री चतरलाल जी बंदवाल का 1 मार्च, 2019 को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती पुष्पा देवी, पुत्र अमोद व हरीश, पुत्रियां प्रवीणा, उमा, चंदा, नीता व लेखा तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। तलदार ट्रावेल्स के श्री दीपक जी तलदार का 27 फरवरी 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती कंचन देवी, पुत्र निखिल व मोहित तथा भाई-भतीजों का सम्पन्न एवं विशाल परिवार छोड़ गए हैं।

राजनगर। वरिष्ठ पत्रकार पं. स्नेहीराज जी श्रोत्रिय का 9 मार्च 2019 को निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र गोपाल, आनंद व दिनेश सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के अनेक समाचार पत्रों के रिपोर्टर रहने के साथ स्वयं ने भी 'राज री वात' और 'प्रताप का प्रताप' पत्रों का सम्पादन किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों ने सम्मानित भी किया।

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ कम्युनिटी सेन्टर्स विभाग के पूर्व निदेशक श्री उदयलाल जी चंडालिया का 6 मार्च, 2019 को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती कृष्णा देवी, पुत्र दिनेश, अशोक, डॉ. करूण व डॉ. हेमेन्द्र चण्डालिया पुत्री आशा तलेसरा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। चण्डालिया जी ने विद्यार्थी जीवन में ऑल इंडिया स्टूडेन्ट्स फैडरेशन के सक्रिय सदस्य रहते हुए स्वतंत्रता आन्दोलन में भी भाग लिया। उनका जीवन सिद्धांतशील, संयमित और आदर्शवादी रहा।

उदयपुर। श्रीमती सुशीला देवी जी राजनगर वाला धर्मपत्नी स्व. ललित जी जैन का 19 मार्च, 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र निर्मल, संजीव व सुनील जैन पुत्रियां नमिता, मनीषा व पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का वृहद व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री लालचंद शर्मा(रोसावा) की धर्मपत्नी श्रीमती सोहनमती देवी जी का 19 मार्च, 2019 को देहावसान हो गय। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति, पुत्र राजेन्द्र जानकीलाल, चन्द्रप्रकाश, देवेन्द्र, घनश्याम, पुत्री पुष्पा सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

महाराणा भूपाल सिंह जयंती

संस्कारों को संजोए रखें : महेन्द्र सिंह

उदयपुर। महाराणा भूपालसिंह, मेवाड़ की 135 वीं जयंती पर बीएन संस्थान व लोकजन सेवा संस्थान ने समारोह आयोजित कर उनके अवदान को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भूपाल नोबल्स संस्थान में विद्या प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में 2 मार्च को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने कहा कि संस्कारों को संजोकर रखें और दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने, निरूपमा कुमारी मेवाड़ और पुत्र विश्वराज सिंह मेवाड़ ने महाराणा भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। डॉ. जीवन सिंह खरकवाल ने महाराणा भूपाल सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर व्याख्यान दिया। संस्था मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया, उपाध्यक्ष डॉ. जीवन सिंह जामोली, डॉ. अनिता राठौड़, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, कार्यवाहक अध्यक्ष गुणवंत सिंह झाला, संयुक्त मंत्री शक्ति सिंह कारोही, वित्तमंत्री डॉ. दरियाव सिंह आमदला आदि ने महेन्द्र सिंह मेवाड़ व उनके परिवार का परम्परागत रूप से स्वागत किया। लोकजन सेवा संस्थान द्वारा मोहता पार्क में आयोजित समारोह में 30 विभूतियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि विक्रमादित्य सिंह जूदेव थे व अध्यक्षता राव सवाई चन्द्रवीर सिंह ने की। संस्थान-संस्थापक जयकिशन चौबे ने अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ. स्वीटी को आईक्यू अवार्ड

मुम्बई। इंटरनेशनल क्वालिटी अवार्ड संस्था, मुम्बई द्वारा यहां आयोजित एक भव्य समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने उदयपुर की ग्रुमिंग एक्सपर्ट डॉ. स्वीटी छाबड़ा को एक्सीलैंस इन मेकअप एण्ड ब्यूटी सर्विस के लिये सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. छाबड़ा पिछले कई वर्षों से उदयपुर में ब्यूटी सर्विस के क्षेत्र में कार्य कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।

डीपी ज्वेलर्स को मप्र सरकार का विशिष्ट अवार्ड

भोपाल। ज्वैलरी सेगमेंट में सबसे अधिक रेवेन्यू व सर्वश्रेष्ठ ज्वैलरी ब्रांड को लेकर डीपी ज्वैलर्स को मध्यप्रदेश सरकार ने विशिष्ट अवार्ड से सम्मानित किया। भोपाल में हुए समारोह में मुख्यमंत्री कमलनाथ ने डीपी आभूषण लिमिटेड के डायरेक्टर अनिल कटारिया को यह अवार्ड दिया। डीपी ज्वैलर्स को लगातार दूसरे साल इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। अवार्ड लेने के दौरान कटारिया ने ग्राहकों को धन्यवाद दिया। इससे पहले डीपी को ज्वेलरी की विभिन्न श्रेणियों में बेस्ट प्रोमिसिंग जेम्स एण्ड ज्वेलरी कंपनी व इंडियाज मोस्ट प्रिफर्ड ज्वेलर अवार्ड सहित कई अन्य अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

श्रेयस का एनटीएसई में चयन

उदयपुर। सेन्ट्रल पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के छात्र श्रेयस बाबेल को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE) के प्रथम चरण में चयन किया गया है। इस परीक्षा का आयोजन दसवीं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना है। यह परीक्षा दो स्तरों पर आयोजित की जाती है। प्रथम चरण परीक्षा राज्य स्तर पर होती है। जिसमें चयनित छात्र द्वितीय चरण की राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा देते हैं। स्कूल निदेशिका अलका शर्मा व सह निदेशक दीपक शर्मा ने श्रेयस को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

K.S.

Micro-chem Pvt. Ltd.
Minerals & Chemicals
Polytube Pvt. Ltd.

Dhirendra Singh Sachan
(Managing Director)
State Co-Convener Industrial Cell
B.J.P. Rajasthan

Manufacturers of :

Grounded Calcium Carbonate
Superfiller Powder ISI
Saaras® Rigid UPVC Pipe
(AS ISO 9001:2000 Company)

ISO 9001:2000 Reg. No.: RQ91:2091

Rohan Singh Sachan
(Associate Director)

Head Office : 1/9, First Floor, Pratap Nagar, K.Vidyalaya Marg, Udaipur
Kanpur Office : 1346, Block-W-2, Damodar Marg, Kanpur (U.P.)
Jaipur Office : 1265, Rani Sati Nagar (Nirman Nagar)
Kolkata Office : 70-C, S.N. Chattergee Road, Behla Kolkatta (W.B.)
Udaipur Factory : F-269, RIICO Industrial Area, Gudli, Udaipur (Raj.)
Dausa Factory : F-90, RIICO Bapi Dausa (Raj.)
Jaipur Factory RIICO Industrial Area, Bassi, Jaipur (Raj.)

Ph.: 0294-2493006, 2490850
Mo.: 09414166598, 09352505700
Email.: info@ksmicrochempvt.com
info@kspolytube.com
dhirendar.singh3999@gmailcom
Web.: www.ksmicrochem.com
www.kspolytube.com

INDIRA IVF
FERTILITY & IVF CENTRE

माँ से ममता की राह आसान

निःसंतान दम्पितयों हेतु आई.वी.एफ. एक वरदान

निःसंतानता एवं आईवीएफ से जुड़ी सभी
जानकारी के लिए सीधे सम्पर्क / कॉल करें
✆ 766 5018 650

परामर्श हेतु कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है

- नलियों में रूकावट या अन्य कोई खराबी होना
- उम्रदराज महिलाओं में मासिक धर्म का बंद होना
- अंडों का न बनना एवं अंडों का समय पर न फूटना
- माहवारी अनियमित होना अंडों का समय पर न फूटना

ADVANCED FERTILITY TREATMENT

- Blocked tubes
- Egg problem
- Low sperm count
- Old age

✆ अपोइन्टमेन्ट हेतु- 7229955553

Helpline : 07665009964 / 65
Website : www.indiraivf.com
Email : help@indiraivf.in

इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड

44 अमर निवास, एम.बी. कॉलेज के सामने, कुम्हारों का भट्टा, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर

भारत में संचालित हमारे अन्य सेन्टर्स

हरियाणा	पंजाब	कर्नाटक	दिल्ली	बिहार	झारखंड- रांची	पश्चिमी बंगाल	मध्यप्रदेश	तमिलनाडु	महाराष्ट्र- पुणे • नागपुर	गुजरात
• रोहतक	• लुधियाना	• बेंगलुरु (जे.पी.	• (पटेल नगर,	• पटना	• जमशेदपुर	• कोलकाता (पार्क	• इंदौर	• चेन्नई	• नाशिक • मुम्बई (विरार,	• अहमदाबाद
• फरीदाबाद	• जालंधर	नगर, राजाजी नगर	द्वारका, लाजपत	• भागलपुर	उत्तराखंड	स्ट्रीट, ठाकुरपुकुर)	तेलंगाना	उड़ीसा	भांडुप, बोरीवली, नवी मुम्बई,	• वडोदरा
• गुरुग्राम	• चंडीगढ़	इंदिरा नगर)	नगर, रोहिणी)	• मुजफ्फरपुर	• देहरादून	• आसनसोल	• हैदराबाद	• भुवनेश्वर	ठाणे) • कोल्हापुर	• राजकोट

उत्तरप्रदेश- लखनऊ • कानपुर • वाराणसी • प्रयागराज • बरेली • गोरखपुर • मऊ • आगरा • मेरठ • गाजियाबाद • झांसी

राजस्थान- उदयपुर • जयपुर • जोधपुर • कोटा • अलवर

उपलब्ध सेवा : फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेजर हेचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • हिस्ट्रोस्कोपी • लेप्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

- 54 Centres PAN India
- Treatment protocol as per individual need
- Patient friendly treatment options

'बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ' अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है।

Disclaimer : The models used in the creatives is just for illustration purpose only.

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth

(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

Airport Road, Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Rajasthan)

Phone: 0294-2492440, Fax: 0294-2492441Email: admissions@jrnrvu.edu.in

ADMISSIONS OPEN 2019-20

"NAAC Accredited 'A' Grade University"

Faculty of Management Studies (F.M.S.) Ph. 0294-3296232, 2490632

- Master of Business Administration (M.B.A.)
- Master of Business Administration Human Resource Management (M.B.A.- H.R.M.)

Manikya Lal Verma Shramjeevi College Ph. 0294-2413029, 9460826362
Faculty of Social Sciences and Humanities

Post Graduate :

- M.Phil. – English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History
- M.A. – English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History

Graduate :

- Bachelor of Arts (B.A.) in all subjects
- D.J.M.C

Diploma Courses :

- PG Diploma in G.I.S. and Remote sensing
- Proficiency in English and Communication Skills
- PG Diploma in Yoga Education

Certificate Course : •Spoken English

Faculty of Commerce, 0294-2413029, Mob. 9413481657

- M.Phil. – Business Administration and Accounting
- M.Com. – A.B.S.T., Business Administration
- Bachelor of Commerce (B.Com.)

Diploma Courses

- PG Diploma in insurance and Banking Management
- Marketing and Sales Management
- Taxation •Computer Basics and Accounting

Certificate Courses: •Tally ERP 9.0 •Accounting Technicians (CAT) (in collaboration with ICAI)

Jyotish and Vastu Sansthan, Mo. 9460030605

- M.A. – Jyotirvigyan
- Diploma in Jyotish and Vastu
- Certificate – Pooja Paddhati and Kram Kand
- Certificate – Bhartiya Jyotish and Hastrekha Vigyan

Evening College, Mo. 9414166169, 9829332300, 0294-2426432

- M.A./M.Sc. (Psychology) (Inds./Educational/Clinical) (9460490072)
- M.A. Yoga Education (9829797533)
- M. Music, Vocal & Intrumental •M.Sc. Chemistry
- M.Com. Accounting / Business administration
- M.A. – English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History, Public Administration, Psychology, Yoga
- B.Ed. Special Education (M.R.) (9414291078)(R.C.I. Approved)
- B.A. (all subjects) & (Psychology, Yoga, Rajasthani, Physical Education, Jyotier Vigyan, Drawing)
- B.Com. •B.Sc. •B.Lib. •M.Lib. • BCA • MCA
- B. Music •Bachelor in Special Education (HI/LD) (B.Ed. Special HI/LD)
- Bachelor in Special Education BI (B.Ed. Special BI) •B.A. (Additional) in all subjects.
- PG Diploma – Guidance and Counseling
- P.G. Diploma – Yoga Education (9352500445)
- Diploma in Special Education (MR, HI and VI) *(to be approved)*
- Certificate in Spiritual Values and Human Values •Diploma in Heart Fulness and Health Management
- Diploma and Certificate in Fine Arts •Certificate - French/German/Spanish Language
- Diploma in Dietetics and Applied Nutrition

Department of Business Management Studies, Ph. 0294-2413029, 9460022300

- Bachelor of Business Administration (B.B.A.)
- Master of International Business – (M.I.B)
- Master of NGO Management •P.G. Diploma – Training and Development

Department of Physical Education, Mo. 9829943205, 9352500445

- Master in Physical Education (M.P.Ed.) •M.A. (Yoga Education)

Department of LAW, Mo.: 9414343363, 9928246547

- LL.M. (2 Year Degree Course)
- B.A. – L.L.B. (5 Year Integrated Course)
- P.G. Diploma in Labor LAW (1 Year)
- LL.B. (3 Year Degree Course)
- P.G. Diploma in Forensic Science (1 Year)
- P.G. Diploma in Cyber LAW (1 Year)

Faculty of Computer Science and Information Technology
(Ph. 0294-2494227, 2494217, Mo.: 9887285752)

- M.Phil. (Computer Science)
- M.C.A. Lateral Entry in II Year
- B.C.A. (Bachelor of Computer Application)
- B.Sc. (Computer Science)
- M.C.A. (Master of Computer Application)
- P.G.D.C.A
- M.Sc. (Computer Science)

Faculty of Engineering and Technology, Mo. 9829009878, Ph.: 0294-2490210

- B.Tech. - Civil, Electrical, Mechanical, Electronics and Communication, Computer Science Engineering
- Diploma – Civil, Electrical, Mechanical, Electronics and Communication, Computer Science Engineering

Institute of Rajasthan Studies (Sahitya Sansthan) Ph.: 0294-2491054

- M.A. – Ancient History of India, Culture and Archeology
- P.G. Diploma in Archeology

Udaipur School of Social Work, Ph.: 0294-2491809

- Master of Social Works (MSW)
- Master of Social Works (Executive)
- P.G. Diploma in N.G.O. Management
- P.G. Diploma in H.R.M.
- P.G. Diploma in Rural Development
- Certificate Course in Road Safety

Directorate of Janshikshan and Extension Programme Mob. 94 14 737125

- **Department of Agricultural Sciences 98872 71976**
  -B.Sc. Agriculture Honors
- **Department of Rural Technology and Management – 98872 71976**
  - B.Sc. Rural Technology and Management
- **Department of Women Studies - 0294-2490234**
  -Diploma in Computer Application (D.C.A.)
  -P.G. Diploma in Gender Studies and Technology
- **Maharana Kumbha Sangeet Kala Kendra – 94602 54432**
  -Sangeet Bhushan – One Year Course
  -Sangeet Prabhakar – Two Years Course
- Mangalmurty Indira Gandhi Janta College
- Department of Lok Shikshan
- Department of Community Centres
- Department of Janpad

Faculty of Education
Lok Manya Tilak Teachers' Training College, Dabok (Ph.: 0294-2655327, 2657753)

- M.Phil. •M.Ed. •M.A. (Education) •B.Ed. •B.A. B.Ed. (Integrated)
- B.Sc. – B.Ed. (Integrated) •B.Ed. (Child Development) •D.El.Ed.
- M.P.Ed. •B.Ed. – M.Ed. (Integrated)

Manikya Lal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok, (Ph. 0294-2655223, Mo. 9460856658)

- B.A. •B.Com. •M.A. •M.Com.

Faculty of Medicine
Rajasthan Vidyapeeth Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok, Ph.: 0294-2655974-5 Mo.: 9414156701, 9351343740

- Bachelor of Homeopathic Medicine and Surgery (B.H.M.S.)

Department of Physiotherapy Ph.: 0294-2656271, Mo.: 9414234293

- Master of Physiotherapy •Bachelor of Physiotherapy
- Post Graduate Fellowship in Geriatric Rehabilitation

Vocational Education

- Bachelor of Vocation (B.Voc.) in Hospitality & Catering Management

For more information visit University website www.jrnrvu.edu.in

Registrar